राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-231 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में प्राइवेट प्लेन टेकऑफ से पहले झाड़ियों में घुसा

एजेंसी

फरुर्खाबाद। यूपी के फरुर्खाबाद में बड़ा विमान हादसा टल गया। यहां प्राइवेट प्लेन रनवे से उड़ान भरते समय नियंत्रण खो बैठा और पास की झाड़ियों में जा घुसा। हादसे में विमान के विंग्स, फ्रंट व्हील और जेट फैन टूट गए। फ्यूल टैंक भी डैमेज हुआ है। रनवे पर एयरो फ्यूल टपक रहा है। फिलहाल, विमान में बैठे सभी 6 लोग सुरक्षित हैं। इनमें वुडपैकर ग्रीन एंग्री न्यूट्री पैड प्राइवेट लिमिटेड के टऊ अजय अरोड़ा, वाइस प्रेसिडेंट राकेश टीकू और रइक अफसर सुमित शर्मा, दोनों पायलट नसीब बामल, प्रतीक फर्नांडीज और एक क्रू टेक्नीशियन शामिल हैं। अजय अरोड़ा अपनी टीम के साथ खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र में बन रही बीयर फैक्ट्री के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने भोपाल से आए थे। घटना गुरुवार सुबह 10:30 बजे हुई। हादसे और प्लेन की स्थिति की जांच करने के लिए दिल्ली से टीम बुलाई गई है। प्लेन 'जेट सर्विस एविएशन प्राइवेट लिमिटेड' का है। वुडपैकर ग्रीन कंपनी के यूपी प्रोजेक्ट हेड मनीष कुमार पांडेय ने पायलट पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- दोनों पायलट को पहले से ही पहियों में हवा कम होने के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया।

केदारनाथ में रिकॉर्ड 16.56 लाख श्रद्धालु पहुंचे

कपाट बंद होने में 14 दिन बाकी; अब तक 47 लाख लोगों ने की चारधाम यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। केदारनाथ यात्रा ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। बुधवार तक केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 16.56 लाख पहुंच गई है, जबकि मंदिर के कपाट बंद होने में अभी 14 दिन बाकी हैं। 2025 में अकेले बुधवार को 5,614 तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। मंदिर के कपाट 23 अक्टूबर को भाई दूज के दिन बंद होंगे। 2024 में पूरे यात्रा सीजन के दौरान कुल 16,52,076 श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे थे। बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में भी तीर्थयात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को दोपहर 2:56 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। उत्तराखंड आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से जारी 8 अक्टूबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक 4 मई से लेकर 7 अक्टूबर की शाम 7 बजे तक कुल 47 लाख 29 हजार 555 श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा की है। 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ चार धाम यात्रा शुरू हुई। केदारनाथ धाम 2 मई को और उसके बाद 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले थे। खराब मौसम और लगातार बारिश के कारण 1 से 5 सितंबर तक तीर्थयात्रियों का पंजीकरण और चारधाम यात्रा का संचालन रोक दिया गया था। इसे 6 सितंबर को फिर से शुरू किया गया। मानसून के मौसम में भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन ने तीर्थयात्रा को बुरी तरह बाधित किया। गंगोत्री धाम के रास्ते में धराली का महत्वपूर्ण पड़ाव प्राकृतिक आपदाओं से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के कारण, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित करनी पड़ी। बारिश थमने के बाद भी यात्रा बहाल करना बड़ी चुनौती थी। हालांकि, प्रशासनिक टीमों ने सामान्य स्थिति बहाल करने और यात्रा मार्गों को फिर से खोलने के लिए युद्धस्तर पर काम किया। गंगोत्री और यमुनोत्री, दोनों की तीर्थयात्राएं कड़े सुरक्षा उपायों के साथ फिर से शुरू हो गई हैं। अधिकारी श्रद्धालुओं से सतर्क रहने का आग्रह कर रहे हैं। तीर्थयात्रियों को बार-बार सलाह दी जा रही है कि वे खराब मौसम में यात्रा करने से बचें और यदि वे रास्ते में हैं तो सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन और पुलिस के साथ मिलकर बुधवार को तीर्थयात्रियों से गर्म कपड़े, दवाइयाँ और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी वस्तुएं लाने का आग्रह किया।

ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में खोलेंगी कैंपस

भारतीय वायुसेना के ट्रेनर ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स को ट्रेनिंग देंगे

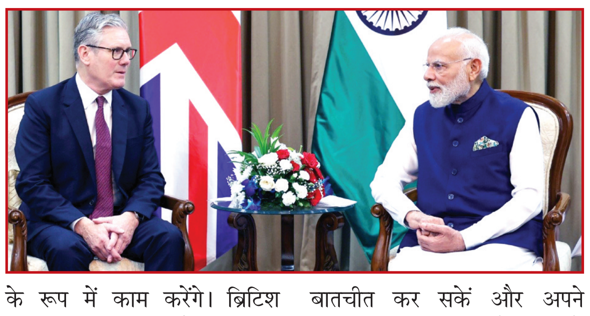

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। ब्रिटिश ढट कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। मोदी ने कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में लंदन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (CETA) पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा। इससे कारोबार बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। दोनों नेताओं ने इंडो-पेसिफिक, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की। वहीं, रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन ने सैन्य प्रशिक्षण समझौता किया है, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग प्रशिक्षक अब ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में ट्रेनर के रूप में काम करेंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिडिल ईस्ट के हालात और गाजा में शांति की दिशा में उठाए गए पहले कदमों पर चर्चा की। उन्होंने दोनों नेताओं के यूक्रेन में स्थायी शांति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा व स्थिरता की जरूरत पर भी विचार-विमर्श किया। हमने भारत और ब्रिटेन के व्यापार और निवेशकों को एक साथ बुलाया। ताकि वे एक-दूसरे से मिल सकें, बातचीत कर सकें और अपने आइडिया साझा कर सकें। पिछले दो दिनों में मैंने देखा कि लोग छोटे-छोटे ग्रुप में, खाने-पीने के दौरान या अलग-अलग जगहों पर बातें कर रहे थे। यह हमारे लिए बहुत उत्साहजनक अनुभव रहा। मुझे लगता है कि यह वही काम है जो हमने पहले चेकर्स में शुरू किया था। मैंने इसे दो हिस्सों वाला काम समझा है। पहला हिस्सा था FTA (मुक्त व्यापार समझौता) और चेकर्स में हुई हमारी अहम बैठक। उस बैठक में प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। अब यह उसका दूसरा हिस्सा है। मैं इसे भारत और ब्रिटेन की साझेदारी का जश्न मानता हूं और यह दिखाता है कि हमें इस साझेदारी में बहुत भरोसा है। मोदी ने बताया कि भारत और ब्रिटेन ने क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिज) पर सहयोग के लिए एक सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी स्थापित करेंगे। इसका एक सैटेलाइट कैंपस झारखंड के धनबाद में इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स में बनेगा। स्टार्मर ने अपने बयान के दौरान गाजा में शांति समझौता होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ' यह राहत की बात है। इस समझौते को अब बिना किसी देरी के पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए और इसके साथ ही गाजा को जीवन रक्षक मानवीय सहायता पर लगे सभी प्रतिबंध तुरंत हटाए जाने चाहिए।'

36 सेकेंड में 6 राउंड फायरिंग

लखनऊ। मल्हौर इलाका आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। 36 सेकेंड में 6 राउंड गोलियां चलीं। इसमें कई लोग घायल हो गए। बुधवार आधी रात हुई गोलीबारी से आसपास लोग दहशत में आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। बताया जा रहा है कि दो पक्षों में जमीनी विवाद को लेकर कहासुनी हुई। विवाद बढ़ा तो लात-घूंसे बरसने लगे। हॉकी-डंडे लिए लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। कुछ ही देर में पिस्तौलें तन गईं और गोलियां चलने लगीं। मामला मल्हौर स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के पास का है। बुधवार आधी रात दो पक्षों के बीच जमीन विवाद में जमकर बवाल हुआ। कहासुनी के बाद बात मारपीट होने लगी। इसके बाद कुछ लोगों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान 4 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में भर्ती करवाया।

जहरीला कफ सिरप बनाने वाली कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

एमपी एसआईटी ने रंगनाथन को चेन्नई से पकड़ा, दवा से अब तक 24 बच्चों की मौत

एजेंसी

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई SIT की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। रस्क्ळ ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उनका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था। छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड मांगेगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। वहीं, मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है। वकील विशाल तिवारी की याचिका में इस मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। बुधवार (8 अक्टूबर) की दरमियानी रात छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव के 3 वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह 25 सितंबर से नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज नागपुर पहुंचे। सीएम ने वहां के अस्पतालों में भर्ती चारों बच्चों का हाल जाना। उनके परिजन से बात की। इनमें से गार्विक पवार नागपुर मेडिकल कॉलेज में, अंबिका विश्वकर्मा न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल जबकि कुणाल यदुवंशी और हर्ष यदुवंशी नागपुर एम्स में इलाज करा रहे हैं। इससे पहले सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार हर कदम पर पीड़ित परिवारों के साथ है। सभी बच्चों का इलाज सरकार ही कराएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके ने कहा है कि बच्चों की मौतों को देखते हुए वे 10 अक्टूबर को अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। उन्होंने समर्थकों से अपील की है कि केक, बुके, आतिशबाजी, फ्लैक्स और उपहारों की राशि इकट्ठा कर पीड़ित परिवार को दी जाए। इसके लिए महापौर निवास पर एक बॉक्स लगाया जाएगा, जिसमें सहयोग की राशि डाली जा सकती है। इस बीच कोल्ड्रिफ सिरप की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है।

मायावती बोलीं: सपा दोगली पार्टी, योगी की तारीफ की

आजम खान की जॉइनिंग की अटकलों पर कहा- मैं किसी से छिपकर नहीं मिलती

एजेंसी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 9 साल बाद लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन किया। वह पुराने तेवर में नजर आईं। भतीजे आकाश के साथ मंच पर पहुंचीं और हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया। उन्होंने मंच से सीएम योगी की तारीफ की और सपा को दोगला बताया। इस पर अखिलेश यादव पलटवार किया। पर लिखा- क्योंकि उनकी अंदरूनी साठ-गांठ जारी है, इसीलिए वो जुल्म करने वालों की आभारी हैं। मायावती ने आजम खान के बसपा में शामिल होने की अटकलों पर भी पहली बार जवाब दिया। कहा- मैं ऐसे किसी से छिपकर नहीं मिलती, जब भी मिलती हूं, खुले में मिलती हूं। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पर बिना नाम लिए निशाना साधा। कहा- ऐसे बिकाऊ लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। 1 घंटे के संबोधन में मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को तवज्जो दी। उन्होंने संकेतों में यह साफ कर दिया कि वही उनके उत्तराधिकारी होंगे। साथ ही बसपा के 5 सीनियर नेताओं के बेटों का नाम लेकर उनकी तारीफ की। आखिरी बार मायावती ने इतनी बड़ी रैली अक्टूबर- 2016 में की थी। मायावती अपने संबोधन के दौरान अखिलेश यादव और सपा पर सीधे हमलावर नजर आईं। कहा- सपा को जब सत्ता में रहने का मौका मिलता है, तब इन्हें न तो ढऊअ याद आता है, न ही बहुजन समाज के हितों की चिंता होती है। लेकिन जैसे ही कुर्सी हाथ से जाती है, ये खुद को सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा ठेकेदार बताने लगते हैं। जनता अब इनके ऐसे दोगले और स्वार्थी रवैये को अच्छी तरह समझ चुकी है। मैं वर्तमान सरकार की आभारी हूं। कांशीराम पार्क और अंबेडकर पार्क में आने वाले लोगों से मिले टिकटों का पैसा सपा सरकार की तरह दबाकर नहीं रखा। मेरे आग्रह पर पार्क की मरम्मत पर पूरा खर्च किया गया। जबकि सपा सरकार ने पार्क के रखरखाव की बजाय दूसरे मदों पर पैसा खर्च कर दिया था। हमें कमजोर करने के लिए षड्यंत्र रचा जा रहा है। स्वार्थी और बिकाऊ किस्म के लोगों का इस्तेमाल करके कई संगठन बनवा दिए गए हैं। अब तो ये अंदर ही अंदर अपने वोट ट्रांसफर करवा कर इनके एक-दो उम्मीदवारों को जिता भी रहे हैं, जिससे दलित वोट बांटे जा सकें।मायावती ने कहा- आकाश आनंद एक बार फिर पार्टी के मूवमेंट से जुड़ चुके हैं, यह शुभ संकेत है। वह मेरे दिशानिर्देश में काम करेंगे। जिस प्रकार कांशीराम जी ने मुझे आगे बढ़ाया, उसी तरह मैंने आकाश आनंद को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुझे विश्वास है और आप सभी से अपील है कि आप लोग मेरी तरह आकाश का भी हर हाल में साथ देंगे। उन्होंने सतीश चंद्र मिश्रा और उनके बेटे कपिल मिश्रा की भी तारीफ की। इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और जमील अख्तर की भी सराहना की। कांशीराम स्मारक में उमड़ी भीड़ से उत्साहित मायावती ने कहा- अब मैं आप लोगों के बीच ज्यादा से ज्यादा समय दूंगी। इस तरह के कार्यक्रमों में अधिक नजर आऊंगी। आप लोगों को भ्रमित नहीं होना है। 2027 में हमें 5वीं बार बसपा की सरकार बनानी है। इसके लिए सपा, भाजपा और कांग्रेस जैसी जातिवादी पार्टियों के षड्यंत्रों से सजग रहना होगा। मायावती ने मंच से कार्यकताओं की प्रशंसा करते हुए कहा- भीड़ को अन्य दलों की तरह दिहाड़ी देकर नहीं लाया गया है।

जज ने चैतन्यानंद की याचिका से खुद को किया अलग, 17 स्टूडेंट्स से छेड़छाड़ का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट (श्रीसीम) में 17 स्टूडेंट्स से यौन शोषण के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती की जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होगी। हालांकि, सुनवाई से कुछ घंटे पहले जज ने खुद को मामले से अलग कर लिया। चैतन्यानंद की जमानत याचिका अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अतुल अहलावत की बेंच में लिस्टेड थी। अब याचिका को दोपहर 12 बजे पटियाला हाउस कोर्ट के जिला जज के सामने सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया है। एक दिन पहले, कोर्ट ने चैतन्यानंद की बिना प्याज-लहसुन वाले खाने, चश्मा और दवाओं की सुविधा की याचिका को मंजूर करते हुए एक अंतरिम आदेश पारित किया था। आरोपी ने जेल में भगवा कपड़े, आध्यात्मिक किताबें और बिस्तर की मांग भी की है। कोर्ट ने इस पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद को 27 सितंबर को आगरा से गिरफ्तार किया था। उसे 28 सितंबर को 5 दिन की रिमांड पर लिया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने 3 अक्टूबर को उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा था। वह 17 अक्टूबर तक हिरासत में है। वित्तीय अनियमितताओं के एक मामले में अग्रिम जमानत की चैतन्यानंद की पिछली याचिका पटियाला हाउस कोर्ट ने खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कपड़ों और किताबों की मांग की याचिका जेल मैनुअल के नियमों का उल्लेख करते हुए पुलिस से जवाब दाखिल करने को कहा है। इस आवेदन पर सोमवार को फिर सुनवाई होगी।

नोएडा में डिफेंडर ने 6 गाड़ियों को मारी टक्कर

एजेंसी

नोएडा। एक डिफेंडर गाड़ी ने पांच कार और एक बाइक को टक्कर मार दी। डिफेंडर, एक प्रॉपर्टी डीलर ड्राइव कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। इस एक्सीडेंट से लंबा जाम लग गया। एक घंटे तक लोग जाम में फंसे रहे। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हटवाया। इसके बाद ट्रैफिक सामान्य हो सका। एक्सीडेंट में आधा दर्जन गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। डिफेंडर गाड़ी को भी नुकसान हुआ है। यह दुर्घटना एक्सप्रेस-वे थाना क्षेत्र के गुलशन मॉल तिराहे के पास बुधवार देर रात की है। पुलिस ने बताया कि कार सवार लोगों को हल्की-फुल्की चोटें आई है। डिफेंडर के बेकाबू होने की वजह अभी सामने नहीं आ सकी है। डिफेंडर कार चला रहे शख्स की पहचान सुनीत पुत्र कर्म सिंह के रूप में हुई है। आरोपी प्रॉपर्टी का काम करता है। वह नोएडा के सेक्टर-100 में रहता है। बुधवार देर रात सुनीत घर वापस लौट रहा था।

तालिबान और भारत साथ, पाकिस्तान क्यों घबराया

ट्रम्प की भी चिंता बढ़ी, अफगान मंत्री के दौरे से इंडिया को क्या मिलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद से साउथ एशिया की राजनीति काफी बदल रही है। पिछले कुछ सालों में चीन की मदद से पाकिस्तान ने खुद को बेहतर किया है। लिहाजा भारत, पाकिस्तान को अलग-थलग करने की रणनीति पर काम कर रहा है। अब अफगानिस्तान के करीब आने से साउथ एशिया में भारत की स्थिति मजबूत होगी।' अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे को तुर्किये की यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर ओमैर अनस काफी उम्मीदों भरा बता रहे हैं। तालिबानी विदेश मंत्री आज से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं। मुत्तकी यूनाइटेड नेशंस की सिक्योरिटी काउंसिल में प्रतिबंधित आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल हैं। इसलिए उन्हें भारत आने के लिए विशेष छूट लेनी पड़ी है। भारत दौरे से पहले अफगानी मंत्री रूस की राजधानी मॉस्को भी पहुंचे। यहां वे 'मॉस्को फॉर्मेट कंसल्टेशन' की बैठक में शामिल हुए, जिसमें भारत उनके सपोर्ट में दिखा। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस प्लान का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान से बगराम एयरबेस वापस लेने की बात कही थी। इस मुद्दे पर पाकिस्तान, चीन और रूस ने भी भारत का सपोर्ट किया। हालांकि रूस के अलावा भारत समेत किसी भी देश ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। अब अफगान मंत्री के भारत दौरे से क्या बदलेगा? भारत के लिए ये दौरा किस तरह फायदेमंद होने वाला है। अफगानिस्तान के लिए कैसे पाबंदियां कम हो सकती हैं। तुर्किये की अंकारा यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर ओमैर अनस और अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार राजन राज से बात कर हमने यह समझने की कोशिश की। 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने और तालिबान की सरकार बनने के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया। तब से दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक रिश्ता नहीं रहा। भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को ऑफिशियली मान्यता भी नहीं दी है। हालांकि भारत लंबे वक्त से अफगानिस्तान के साथ बैकडोर डिप्लोमेसी करता रहा है। अब तालिबान सरकार के करीब 5 साल के शासन के बाद विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी भारत दौरे पर हैं। दौरे का एजेंडा जानने के लिए हमने अफगानिस्तान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मैसेज और कॉल का जवाब नहीं दिया। विदेश मंत्रालय के सोर्स बताते हैं कि मुत्तकी की दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात हो सकती है। दोनों के बीच अफगानिस्तान में मानवीय सहायता, वीजा, व्यापारियों के लिए सुविधा और अफगान नागरिकों के मामले उठाए जा सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नारी श्रद्धा और प्रेम का अमर पर्व करवा चौथ

(लेखक- योगेश कुमार गोयल /)

(करवा चौथ (10 अक्तूबर) पर विशेष)

भारत की गौरवशाली संस्कृति में करवा चौथ पर्व का विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत, जो इस वर्ष 10 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्ध्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है।

कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्ध्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई।

करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन

चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्ध्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया।

यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अत: करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें 'करवा चौथ' व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं।

इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई।

संपादकीय

हादसों की सड़क

यह शर्मनाक ही है कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं में अन्य कारणों के अलावा सबसे अधिक भूमिका तकनीकी व गुणवत्ता की खामियों वाली सड़कों की होती है। यह भयावह है कि वर्ष 2023 में देश में हुई पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब पौने दो लाख लोगों की मौत हुई। उस पर सबसे दुखद यह है कि मरने वालों में एक लाख चौदह हजार लोग अट्ठारह से 45 वर्ष के बीच के युवा थे। जो परिवार के कमाने वाले व नई उम्मीद थे। इन हालात को देखते हुए ही केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक इन सड़क दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य रखा है। यह विडंबना ही है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिये सख्त कानून बनाने एवं तकनीक के जरिये चालकों की लापरवाही पर नजर रखने जैसे उपायों के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक सुझाव से सहमत हुआ जा सकता है कि खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। इसके लिये ठेकेदार और इंजीनियर की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में उन्होंने दु:ख जताया कि विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों में जब भारत में विश्व की सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले देश के रूप में चर्चा होती है, तो उन्हें शर्म महसूस होती है। आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे क्यों नहीं थम रहे हैं। यह बात तय है कि अगले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं को यदि आधा करना है, तो युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन कारणों को तलाशना होगा, जिनकी वजह से हर साल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। आखिर क्या वजह है कि राजमार्गों के विस्तार और तेज गति के अनुकूल सड़कें बनने के बावजूद हादसे बढ़े हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजमार्गों व विभिन्न तीव्र गति वाली सड़कों में साम्य का अभाव है, वहीं मोड़ों को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु तकनीक में बदलाव की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को उन कारणों की पड़ताल करनी होगी, जो पर्याप्त धन आवंटन के बावजूद सड़कों को दुर्घटनामुक्त बनाने में बाधक हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़कों की निर्माण सामग्री और डिजाइनों की निगरानी के लिये स्वतंत्र व सशक्त तंत्र बनाया जाए, जो बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के काम कर सके। साथ ही मंत्रालय का दायित्व बनता है कि इस बाबत स्पष्ट नीति को सख्ती से लागू किया जाए। यह जानते हुए कि सड़कों के ठेके में मोटे मुनाफे के लिए एक समांतर भ्रष्ट तंत्र देश में विकसित हुआ है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने से परहेज नहीं करता। जिसके खिलाफ उठने वाली ईमानदार आवाजें दबा दी जाती हैं। निस्संदेह, गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाली व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। तब हमें यह सुनने को नहीं मिलेगा कि उद्घाटन के कुछ ही बाद ही सड़क उखड़ गई या बारिश में घुल गई।

करवा चौथ पर दमके आपका चेहरा, जैसे आसमान में चांद

(लेखक- श्वेता गोयल)

(करवा चौथ (10 अक्तूबर) पर विशेष)

भारत में सुहागिन महिलाओं का सबसे बड़ा त्यौहार है 'करवा चौथ', जो दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व माना जाता है। इस विशेष त्यौहार का सुहागिन महिलाएं सालभर इंतजार करती हैं। हालांकि यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, फिर भी देशभर में हर जाति, हर सम्प्रदाय की महिलाएं अपने पति की दीर्घायु तथा अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए खुशी-खुशी यह व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। हालांकि समय के साथ इस व्रत को मनाए जाने की परम्पराओं में थोड़ा बदलाव आया है और अब बहुत सी अविवाहित युवतियां भी अच्छे वर की प्राप्ति की कामना से यह व्रत करने लगी हैं।

करवा चौथ के शुभ दिन महिलाओं के चेहरे पर एक अलग ही तेज नजर आता है। इस पर्व का नाम सुनते ही मन में सोलह श्रृंगार किए खूबसूरत नारी की छवि उभर आती है। दरअसल मेंहदी लगे हाथों में रंग-बिरंगी खनकती चूड़ियां, माथे पर आकर्षक बिंदिया, मांग में सिंदूर, सुंदर परिधान और तरह-तरह के आकर्षक गहने पहने अर्थात् सोलह श्रृंगार किए सुहागिन महिलाएं इस दिन नववधू से कम नहीं लगती। दुल्हन के लाल जोड़े की भांति इस दिन भी लाल रंग के परिधान पहनने का चलन बहुत ज्यादा है। वास्तव में करवा चौथ सुहागिन महिलाओं के सजने-संवरने का एक विशेष अवसर है। तो फिर क्यों न आप भी इस विशेष अवसर पर नख से शिख तक ऐसी संवर जाएं कि आपको देखते ही आपके पति की नजरें भी आप पर से हटें ही नहीं। तो जरा आजमाकर देखें खास इसी दिन के लिए इन उपायों को:-

- मेकअप शुरू करने से पहले ध्यान रखें कि आपका मेकअप आपकी त्वचा की रंगत (टोन) के हिसाब से ही हो। तभी मेकअप से आपके नयन-नक्श को अच्छा उभार मिलेगा।
- मेकअप की शुरूआत से पहले 3-4 मिनट तक अपनी त्वचा की मसाज हनी क्लींजर से करें और फिर मोइस्ट कॉटन से अच्छी तरह साफ कर लें।
- अगर आपकी त्वचा की रंगत सांवली है तो आप पर यैलो या आयवरी टोन वाला मेकअप ही फबेगा क्योंकि इन शेड्स से सांवली रंगत को प्राकृतिक रूप से उभार मिलता है।
- त्वचा का रंग गोरा है तो आप पर वेज और पिंक बेस्ड मेकअप अच्छा लगेगा लेकिन ध्यान रखें कि मेकअप लाइट पिंक बेस्ड ही हो।
- अगर त्वचा का रंग गेहुंआ है तो त्वचा को डार्क मेकअप अच्छा लुक देगा।
- फाउंडेशन का चुनाव भी त्वचा की रंगत के हिसाब से ही करें। मैट फाउंडेशन से नेचुरल लुक आता है।
- अगर आप चाहती हैं कि आपका मेकअप अधिक समय तक टिका रहे तो इसके लिए ऑयल फ्री फाउंडेशन का ही इस्तेमाल करें।
- फाउंडेशन लगाने के बाद ठीक तरह से ब्लेंडिंग भी जरूरी है। ब्लशर में लेटेस्ट ट्रेंड में चाहें तो ग्लिटर, गोल्ड और स्लिट डस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- ब्लशर की सहायता से आप अपने फेस को सही आकार दे सकती हैं। अगर आप गोरी हैं तो सॉफ्ट पिंक या वैज कलर का ब्लशर ही इस्तेमाल करें। यदि रंग गेहुंआ है तो वार्म पिंक और ब्राउन ब्लशर उपयुक्त रहेगा। सांवली रंगत वालों पर ब्रॉन्ज, कोका, सिनेमन, नटमग इत्यादि गहरे रंग का ब्लशर खूब फबेगा।
- आंखों और होठों के लिए अच्छी कोल्ड क्रीम या ऑयल बेस्ड क्लींजर का ही उपयोग करें तो बेहतर है।
- आंखों को सही आकार देने के लिए आई ब्रो पेन्सिल का उपयोग करें। आई ब्रो अगर बहुत हल्की और पतली हों तो पतले ब्रश से ब्राउन या ब्लैक आई शैडो का इस्तेमाल करें। इससे आई ब्रो को अच्छा आकार मिल जाएगा लेकिन आई शैडो लगाने से पहले लाइट शेड का इस्तेमाल करें,

जिससे ब्लेंडिंग करना आसान रहता है। अपने परिधान और आभूषणों से मिलते हुए आई शैडो का ही उपयोग करें।
- अपनी आंखों को हाईलाइट करने के लिए गोल्ड, शिमर या ग्लिटर लगाएं।
- आई लाइनर के रूप में किसी भी लिक्विड कलर के साथ ब्लू, ब्राउन, डार्क ग्रीन या ब्लैक कलर लगा सकती हैं। कलर्ड कॉन्टेक्ट लैंसेज के साथ ग्रीन, ग्रे और वेज कलर के लाइनर का इस्तेमाल आपकी आंखों को नई चमक दे सकता है।
- आंखों के लिए वाटरप्रूफ मस्कारा अच्छा रहेगा। पहले आंखों के लैशेज पर ब्रश की सहायता से ऊपर से नीचे और फिर नीचे से ऊपर मस्कारा लगाएं। दो बार कोटिंग करें। सूखने के बाद कर्लर से लैशेज को कर्ल करें।
- लिपस्टिक लगाते समय होठों पर सबसे पहले फिंगर टिप्स की सहायता से फाउंडेशन लगाकर ब्लेंड करें। लिप पेंसिल से होठों को सही आकार दें और लिप ब्रश की सहायता से अपनी ड्रैस से मैच करता हुआ लिप कलर लगाएं। लिप कलर के बाद ग्लिटर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय हैं)

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुत: उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रात: स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती।

आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंत:स्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंत:प्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंत:गतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

विचार मंथन

इजराइल और हमास के बीच शांति समझौता

(लेखक- सनत जैन)

- पहला चरण 30 दिन में पूरा होगा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा करते हुए कहा, इजराइल और हमास के बीच में शांति को लेकर सहमति बन गई है। इजराइल की सेना गाजा के निश्चित इलाके से सेना को वापस बुलाएगी। गाजा में बुनियादी सहायता बढ़ाई जाएगी। इजराइल फिलिस्तीन और हमास के कैदियों को रिहा करेगा। ट्रम्प ने भरोसा दिलाया है, कि वह समझौता लागू होने के तुरंत बाद मध्य पूर्व का दौरा करेंगे। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने समझौते का समर्थन करते हुए कहा, ईश्वर की कृपा से हम सबको घर वापस मिलेगा। इस तरह से कई बार समझौते होने की बात कही गई। पहले के समझौते कुछ ही घंटे टिके, और फिर एक-दूसरे के ऊपर हमले शुरू कर दिए गए। लेकिन अब ऐसा लग रहा है, दोनों देश लड़ते-लड़ते थक चुके हैं। ऐसी स्थिति में अब समझौते को लेकर दोनों ही पक्ष गंभीर हैं। हमास ने अपने बयान में कहा है, यह समझौता गाजा का युद्ध समाप्त करने, इजरायली सेना की वापसी, मानवीय सहायता को बढ़ाने और कैदियों की अदला-बदली से जुड़ा हुआ है। हमास ने कतर, मिश्र और तुर्की की मध्यस्थता को स्वीकार किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार प्रयास कर रहे थे। लगता है उनके प्रयास सफल होने जा रहे हैं। इस समझौते को लेकर इजराइल और हमास दोनों की ओर से बेहतर संकेत मिल रहे हैं। वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम को देखते हुए यह कहा जा रहा है, इजराइली मंत्रिमंडल से समझौते की मंजूरी मिलने के बाद शनिवार या रविवार से कैदियों की अदला बदली शुरू हो जाएगी। गाजा से इजराइली सेना पीछे हटना शुरू हो जाएगी। वहीं बुनियादी मदद भी गाजा को मिलने लगेगी। इस समझौते के लिए अमेरिका के साथ-साथ कतर, मिश्र और तुर्की ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान, अमेरिका के प्रतिनिधि स्टीव विटकाफ, ट्रंप के दामाद जैरेड, मिश्र के खुफिया प्रमुख हस राशिद, तुर्की के खुफिया प्रमुख इब्राहिम तथा इजराइल के मुख्य वार्ताकार रान डर्मर समझौते को लेकर निरंतर बातचीत कर रहे थे। जिसके कारण पहली बार समझौते को लेकर एक नई आशा की किरण बनी है। कतर ने कहा है, समझौते का पहला चरण जल्द ही वह घोषित करेंगे। दोनों पक्षों के बीच भविष्य में कोई विवाद की स्थिति ना बने, इसके लिए सावधानी और स्पष्टता के साथ समझौते के प्रारूप को तैयार किया जा रहा है। दोनों ही देश समझौते का पालन करें, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। इस तरह के प्रयास 2 साल में पहली बार देखने को मिल रहे हैं। इससे अब लगता है, इजराइल और हमास अब शांति की ओर आगे बढ़ रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है, इजराइल और हमास अपने-अपने कैदियों को छोड़ने के लिए तैयार हो गए हैं। इजराइली सेना ने पीछे हटना स्वीकार कर लिया है। दोनों देशों की शांति और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय शांति सेना की तैनाती पर सहमति बन गई है। प्रथम चरण में, गाजा में बिजली, पानी, चिकित्सा आपूर्ति, खाद्य सामग्री के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं को बहाल किया जाएगा। गाजा से इजराइली सेना के पीछे हटने के बाद तेजी के साथ नवनिर्माण भी शुरू हो जाएगा। हमास और इजराइल ने अगले 30 दिनों के अंदर प्रथम चरण के लक्ष्य को पूरा करने का भरोसा दिलाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ में जिस तरह से इजराइल अलग-थलग पड़ा था। दुनिया के अधिकांश देशों ने नेतन्याहू के भाषण का संयुक्त राष्ट्र संघ में बहिष्कार किया था। अमेरिका से जो सहायता इजराइल को मिलनी चाहिए थी, वह भी अब नहीं मिल पा रही थी। अमेरिका

भी आर्थिक संकट में फंसा हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही देश में घिरते चले जा रहे हैं। खाडी के देश एकजुट होना शुरू हो गए थे। वर्तमान स्थिति को देखते हुए समझौते के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आशा की जाती है, इजराइल और हमास के बीच जो समझौता होने जा रहा है। उसका अक्षरश: पालन किया जाए। गाजा में हजारों निर्दोष नागरिकों और बच्चों की मौतें हुईं हैं। इस समझौते के बाद गाजा को बुनियादी सुविधा मिलना शुरू हो जाएगी। भय का वातावरण खत्म होगा। विनाश के बाद एक बार फिर विकास की ओर दोनों देश आगे बढ़ेंगे। इस समझौते से यह आशा की जा सकती है। सही मायने में विश्व युद्ध की जो आशंका बनने लगी थी, उससे सारी दुनिया राहत की सांस लेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉम्बे हाईकोर्ट ने टैक्सी सेवा को 'जियो' नाम के इस्तेमाल से रोका

- रिलायंस की याचिका पर अदालत ने 'जियोकैब्स' डोमेन और नाम के उपयोग पर लगाई अंतरिम रोक

मुंबई । बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक टैक्सी सेवा प्रदान करने वाली कंपनी को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के स्वामित्व वाले प्रसिद्ध जियो ट्रेडमार्क का उपयोग करने से रोक दिया है। अदालत ने कहा कि जियो एक प्रसिद्ध और पंजीकृत ब्रांड है, जिसका दुरुपयोग कंपनी की साख को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरेशन की पीठ ने रिलायंस की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में कहा गया था कि प्रतिवादी कंपनी 'जियोकैब्स' नाम और डोमेन के जरिए टैक्सी सेवाएं दे रही है, जो आरआईएल के ट्रेडमार्क का उल्लंघन है। रिलायंस ने इसे पासिंग ऑफ का मामला बताया, जिसमें कोई कंपनी किसी प्रसिद्ध ब्रांड की पहचान का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश करती है। अदालत ने माना कि रिलायंस का दावा प्रथम दृष्टया मजबूत है और जियो नाम की लोकप्रियता को देखते हुए उसका बिना अनुमति उपयोग ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकता है। अदालत ने यह भी उल्लेख किया` कि आरआईएल के कानूनी नोटिस के बावजूद संबंधित डोमेन अब भी सक्रिय है, जो ट्रेडमार्क उल्लंघन की पुष्टि करता है। इसलिए अदालत ने अंतरिम आदेश जारी कर प्रतिवादी को 'जियो' नाम, लोगो, डोमेन और उससे मिलती-जुलती किसी भी पहचान का उपयोग करने से रोक दिया है।

फरीदाबाद में नियोलिव की बड़ी टाउनशिप योजना

- 2,300 करोड़ के राजस्व की उम्मीद

नयी दिल्ली । यल एस्टेट कंपनी नियोलिव ने हरियाणा के फरीदाबाद के सेक्टर 98 और 99ए में 62 एकड़ जमीन पर एक भव्य आवासीय टाउनशिप विकसित करने की घोषणा की है। इस परियोजना से कंपनी को लगभग 2,300 करोड़ रुपए का राजस्व मिलने की संभावना है। कंपनी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के लिए एक प्रबंधन समझौता किया गया है, हालांकि भूस्वामी का नाम उजागर नहीं किया गया है। परियोजना में मुख्य रूप से आवासीय प्लॉट और विला विकसित किए जाएंगे। नियोलिव के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसे एनसीआर में अब तक की सबसे बड़ी परियोजना बताया और इसे कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया। हालांकि, प्लॉटों की संख्या, निवेश राशि और समयसीमा की जानकारी अभी साझा नहीं की गई है।

आंध्र प्रदेश में बीपीसीएल लगाएगी रिफाइनरी; 6000 एकड़ भूमि आवंटित

- रामय्यापट्टनम में बनेगा ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स

अमरावती ।

आंध्र प्रदेश सरकार ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसलएल) को नेल्लोर जिले के रामय्यापट्टनम बंदरगाह के पास 6000 एकड़ भूमि ग्रीनफील्ड रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल परिसर स्थापित करने के लिए आवंटित की है। यह परियोजना लगभग 96,862 करोड़ के निवेश से विकसित होगी। सरकार ने बीपीसीएल को इस अल्ट्रा-मेगा परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। इसमें 20 वर्षों की अवधि में पूंजीगत व्यय के 75 फीसदी तक वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाएंगे। बीपीसीएल चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 4,843 करोड़ और अगले वर्ष 9,686 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। 2029-30 तक कुल निवेश 96,862 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। राज्य सरकार बीपीसीएल को 43.5 फीसदी पूंजी सब्सिडी, 100 फीसदी एसजीएसटी रिफंड, आईजीएसटी/सीजीएसटी में राज्य हिस्से की वापसी, साथ ही स्टांप और पंजीकरण शुल्क में 100 फीसदी छूट देगी। यह परियोजना राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के साथ-साथ हजारों रोजगार के अवसर भी देगी।

भारत के 100 प्रमुख अमीरों की दौलत में गिरावट, अंबानी फिर भी शीर्ष पर कायम

- डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और सेंसेक्स में गिरावट से अमीरों की संपत्ति में आई कमी

वाशिंगटन ।

फोर्ब्स की ताज़ा 2025 सूची के अनुसार भारत के टॉप 100 अमीरों की कुल संपत्ति में 9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो अब घटकर एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर रह गई है। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 100 अरब डॉलर की कमी है। इस गिरावट के पीछे रुपये की गिरती कीमत और सेंसेक्स में 3 फीसदी की गिरावट को मुख्य कारण बताया गया है। हालांकि, मुकेश अंबानी ने लगातार 16वें साल भारत के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में अपना स्थान बनाए रखा है। रिलायंस के चेयरमैन की संपत्ति 14.5 अरब डॉलर घटकर अब 105 अरब डॉलर रह गई है, लेकिन वे अब भी सेंटिबिलियनेय (100 अरब डॉलर से अधिक संपत्ति वाले) बने हुए हैं। उन्होंने हाल ही में` रिलायंस इंटेलीजेंस नाम से एक नया आई डिवीजन शुरू किया है और` जियो को 2026 में लिस्ट करने की योजना बनाई है। दूसरे स्थान पर गौतम अडानी और उनका परिवार 92 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ हैं। 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट से हुए झटके के बाद, 2025 में सेबी ने अडानी ग्रुप को क्लीन चिट दी, जिससे उनकी संपत्ति में फिर से सुधार हुआ। तीसरे स्थान पर सावित्री जिंदल हैं, जिनकी संपत्ति 3.5 अरब डॉलर घटकर 40.2 अरब डॉलर रह गई है। वहीं इस साल के सबसे बड़े लाभकर्ता रहे सुनील मित्तल, जिनकी संपत्ति 3.5 अरब डॉलर बढ़कर 34.2 अरब डॉलर हो गई है। वे तीन स्थान ऊपर चढ़कर चौथे पायदान पर पहुंचे हैं, यह वही स्थान है, जो उन्होंने 2008 में हासिल किया था। टॉप 10 की सूची में शिव नादर, राधाकिशन दमानी, दिलीप संघवी, बजाज परिवार, सायरस पूनावाला और कुमार बिड़ला जैसे जाने-माने उद्योगपति शामिल हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ ही 88.80 पर बंद हुआ। रुपया सुबह शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए तीन पैसे टूटकर 88.78 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझानों से निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दिया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.76 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 88.78 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 88.75 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.72 पर आ गया।

रूसी तेल व्यापार में बदलाव- भारतीय रिफाइनरियों से अब युआन में भुगतान की मांग

- भारत-चीन रिश्तों में सुधार का प्रभाव

मुंबई । रूसी तेल विक्रेता अब भारतीय रिफाइनरियों से अमेरिकी डॉलर या यूएई दिरहम के बजाय चीनी युआन में भुगतान मांग रहे हैं। पहले अधिकतर लेन-देन डॉलर या दिरहम में होता था, लेकिन हाल ही में इसमें बदलाव देखने को मिला है। सूत्रों के अनुसार यह कदम भारत और चीन के संबंधों में आई हालिया नरमी का परिणाम है, जिससे युआन में भुगतान की राह आसान हुई है। भारत की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने रूस से आए दो से तीन तेल शिपमेंट्स का भुगतान युआन में किया है। यह पहली बार नहीं है जब युआन में भुगतान की कोशिश हुई हो। वहीं निजी रिफाइनरियों ने तब भी युआन में सौदे जारी रखे थे। व्यापारियों का कहना है कि पहले उन्हें डॉलर या दिरहम को युआन में बदलकर भुगतान करना पड़ता था, जिससे प्रक्रिया जटिल होती थी। अब सीधे युआन में भुगतान संभव हो गया है, जिससे व्यापार सरल हो गया है। हालांकि, रूस द्वारा तेल की कीमत अब भी डॉलर में तय की जाती है ताकि वह यूरोपीय संघ द्वारा तय प्राइस कैप का पालन कर सके। विश्लेषकों के अनुसार यह कदम वैश्विक तेल व्यापार में डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती दे सकता है और चीन के युआन को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा संकेत माना जा रहा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 398, निफ्टी 135 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही धातु और आईटी शेयरों में जबरदस्त खरीददारी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 398.44 अंक ऊपर आकर 82,172.10 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.65 अंक बढ़कर 25,181.80 पर बंद हुआ। था। आज कारोबार के दौरान निफ्टी मेटल 2.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.12 फीसदी उछलकर बंद हुआ। निफ्टी फार्मा 1.05 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.74 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.45 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.61 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.67 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी उछाल रहा ।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 563.10 अंक बढ़कर 58,429.85 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 109.65 अंक उछलकर 0.61 18,000.25 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, सन फार्मा, टीसीएस, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट और इन्फोसिस के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एक्सिस बैंक, टाइटन, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों को नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 00 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,900 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त लेकर 25,074.30 पर खुला। एशियाई बाजारों में आज हल्की बढ़त देखी गई। मेनलैंड चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.53 फीसदी चढ़ा, जबकि हांगकांग का हैंग सैंग 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। जापान का निक्केई 1.34 फीसदी उछल गया। इस बीच, दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के चलते बंद रहे।

1 साल में 55 फ़ीसदी बढे सोने के दाम

साल के अंत तक 2 लाख पार हो सकता है,सोना?, भारत में 60 फ़ीसदी रिटर्न

मुंबई ।

भारत में सोने और चांदी के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं।बुधवार को सोने की कीमतें 1।22 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गई हैं। चांदी की कीमत भी 1.5 लाख रुपए प्रति किलो के ऊपर चली गई है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का मानना है, सोने की कीमतें लगातार बढ़ती रहेगी।सोने में रिकॉर्ड तोड़ निवेश हो रहा है। दुनिया भर में सोने की मांग अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हुई है। जिसके कारण सोने की कीमतें लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। सितंबर माह में दुनिया भर में गोल्ड ईटीएफ में 1.3 लाख करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ है। एक महीने का अभी तक यह सबसे बड़ा निवेश है। भारत में 24 कैरेट सोने की औसत कीमत 1858 रुपए बढ़कर 1,21,799 रुपए पर प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

चांदी के औसत भाव में लगातार बढ़त बनी हुई है। 1,50,783 रुपए प्रति किलो पर चांदी बिक रही है। सोने के कारोबारियों का कहना है, दीपावली तक सोने के दाम प्रति 10 ग्राम 1.28 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकते हैं।

दीपावली के दौरान सोने के भाव अक्टूबर 2016 को सोने का भाव 30057 रुपए था। 2017 में 29679, 2018 में 31589, 2019 में 38293, 2020 में 50986, 2021 में 47553, 2022 में 50580, 2023 में 59752, 2024 में 78430 तथा 20 अक्टूबर 2025 को 1,21,799 रुपए पर प्रति 10 ग्राम सोने का भाव हो गया। पिछले एक साल में 55 फ़ीसदी सोने के दाम बढे हैं। अगली दीपावली तक सोने के भाव 23 फीसदी तक बढ़ने की संभावना आर्थिक विशेषज्ञ जाता रहे हैं।

क्यों बढ़ रहे हैं सोने के दाम?

चीन का फेडरल बैंक सबसे ज्यादा सोना खरीद रहा है। अभी तक अमेरिका के पास सबसे ज्यादा सोना है। अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में डॉलर मुद्रा का उपयोग होता है। दुनिया के सभी देशों के फेडरल बैंक सोना खरीद रहे हैं। अमेरिका की करेंसी, डॉलरसे दुनिया के देशों का विश्वास कम होता जा रहा है। जिस तरह की आर्थिक मंदी देखने को मिल रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से टैरिफ लगाने की धमकी और तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर अंतर्राष्ट्रीय कारोबार को प्रभावित किया है।

उसको लेकर सारी दुनिया के देश डॉलर और अमेरिका से छुटकारा पाने में लग गए हैं।

हरियाणा में डाइकिन बनाएगी 1000 करोड़ का आरएंडडी सेंटर

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान दौरे के दौरान ओसाका में हुआ समझौता

चंडीगढ़ ।

ओसाका (जापान) में हरियाणा सरकार और जापान की प्रसिद्ध कंपनी डाइकिन इंडस्ट्रीज मिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत डाइकिन हरियाणा में 1000 करोड़ के निवेश से एक अत्याधुनिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेंटर स्थापित करेगी। इस परियोजना से राज्य में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान दौरे पर है। इसी दौरान ओसाका स्थित डाइकिन के मुख्यालय में यह समझौता हुआ। हरियाणा सरकार की ओर से उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल और डाइकिन की ओर से उप प्रबंध निदेशक शोगो एंडो ने हस्ताक्षर किए। इस आरएंडडी सेंटर में ऊर्जा कुशल और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों पर शोध होगा। डाइकिन के अधिकारियों के अनुसार यह केंद्र कंपनी के प्रमुख अनुसंधान केंद्रों में से एक होगा। इससे हरियाणा और जापान के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

भारतीय फार्मा को राहतः अमेरिका ने जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ की योजना रोकी

- अमेरिका की 47 फीसदी जेनेरिक दवाएं भारत से आयात की जाती हैं

वाशिंगटन ।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने फेलहाल भारतीय जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना टाल दी है, जिससे भारतीय दवा कंपनियों और अमेरिकी उपभोक्ताओं दोनों को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली लगभग 47 फीसदी जेनेरिक दवाएं भारत से आयात की जाती हैं। टैरिफ लगाने की योजना का उद्देश्य दवा निर्माण को अमेरिका में वापस लाना था, जिसे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) समर्थकों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा। लेकिन ट्रंप की घरेलू नीति परिषद के कुछ सदस्य इसके खिलाफ थे। उनका तर्क था कि इससे न केवल दवाएं महंगी होंगी, बल्कि आपूर्ति संकट भी उत्पन्न हो सकता है।

भारत जैसे देशों में जेनेरिक दवाओं का उत्पादन अमेरिका की तुलना में कहीं सस्ता है, जिससे अमेरिकी उत्पादन प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाता।

आईक्यूवीआईए के अनुसार, अमेरिका की फार्मेसियों में बिकने वाली लगभग आधी जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, जबकि घरेलू अमेरिकी कंपनियों की हिस्सेदारी सिर्फ 30 प्रतिशत है। मेटफॉर्मिन (डायबिटीज), एटोरवास्टेटिन (कोलेस्ट्रॉल), लोसार्टन (ब्लड प्रेशर) और एंटीबायोटिक्स जैसी आम दवाओं की सप्लाई में भारत अग्रणी है। चीन के साथ पिछले टैरिफ युद्धों में हुए नुकसान को देखते हुए ट्रंप प्रशासन नहीं चाहता था कि दवा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में भी जनता को कीमतों की मार झेलनी पड़े। ऐसे में, जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना को रोकना एक व्यावहारिक फैसला माना जा रहा है।

2026 में आएगा 'फिंटरनेट': अब जमीन, प्रॉपर्टी और बॉन्ड होंगे डिजिटल टोकन में

- फिजिकल एसेट को डिजिटल में बदलने से आम लोगों को भी मिलेगी निवेश की ताकत

नई दिल्ली । देश में आधार और यूपीआई जैसी डिजिटल क्रांति लाने वाले नंदन नीलेकणि अब एक नई तकनीक 'फिंटरनेट' लेकर आ रहे हैं। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में उन्होंने इसका ऐलान किया। यह तकनीक भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) का अगला स्तर होगी, जिसे 2026 में लॉन्च किया जाएगा। फिंटरनेट एक ग्लोबल डिजिटल फाइनेंशियल सिस्टम होगा, जहां जमीन, प्रॉपर्टी, बॉन्ड या अन्य वित्तीय संपत्तियों को डिजिटल टोकन में बदला जा सकेगा। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास 1 करोड़ की संपत्ति है, तो इसे 1 लाख टोकनों में बांटा जा सकता है और हर टोकन 10 रुपये में खरीदा-बेचा जा सकता है। यह प्रक्रिया शेयर मार्केट की तरह ही होगी। नीलेकणि ने बताया कि यह प्रोजेक्ट बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य है कि संपत्ति और पैसे का लेन-देन मोबाइल से टैक्सी बुक करने जितना आसान हो जाए। यह सिस्टम बैंकों के मौजूदा ढांचे में कोई दखल नहीं देगा, बल्कि उनके साथ मिलकर काम करेगा। ब्राजील, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया के सेंट्रल बैंकों ने इसके पहले चरण में भागीदारी की है।

शेयर बाजार में 7 दिसंबर से नया नियम होगा लागू

- ब्लॉक डील में न्यूनतम ऑर्डर साइज 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ किया

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव किया है। सेबी ने एक नया नियम बनाया है, जिसके तहत ब्लॉक डील में न्यूनतम ऑर्डर साइज को 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 25 करोड़ रुपये कर दिया गया है। यह नया नियम 7 दिसंबर से लागू होगा। सेबी ने बुधवार को एक सर्कुलर जारी करके इसकी जानकारी दी। एक रिपोर्ट के अनुसार सेबी ने यह भी कहा है कि ब्लॉक डील का फ्लोर प्राइस अब पिछले दिन के बंद भाव से तीन प्रतिशत ऊपर या नीचे हो सकता है। पहले यह लिमिट सिर्फ एक प्रतिशत थी। यानी अब ब्लॉक डील में कीमत को लेकर थोड़ी ज्यादा छूट मिलेगी। ब्लॉक डील के लिए दो समय खिड़कियां तय की गई हैं। पहली विंडो सुबह 8꞉45 बजे से 9꞉00 बजे तक होगी! इस दौरान फ्लोर प्राइस पिछले दिन का बंद भाव होगा! दूसरी विंडो दोपहर 2꞉05 बजे से 2꞉20 बजे तक होगी! इस समय फ्लोर प्राइस दोपहर 1꞉45 बजे से 2꞉00 बजे के बीच कैश सेगमेंट में हुई ट्रेडिंग की वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस यानी वीडब्ल्यूएपी पर आधारित होगा. स्टॉक एक्सचेंज दोपहर 2꞉00 से 2꞉05 बजे के बीच वीडब्ल्यूएपी की जानकारी शेयर करेंगे।

नए नियम के तहत ब्लॉक डील में ऑर्डर की कीमत फ्लोर प्राइस के 3 प्रतिशत के दायरे में होगी। यह नियम निगरानी और लागू प्राइस बैंड के हिसाब से काम करेगा। हर ब्लॉक डील ऑर्डर की कीमत कम से कम 25 करोड़ रुपये होनी चाहिए! ये ऑर्डर डिलीवरी के लिए होंगे और इन्हें रद्द या बदला नहीं जा सकेगा।

नवरात्रि अवधि में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में आया उछाल

नईदिल्ली ।

हाल ही नवरात्रि अवधि में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में जबर्दस्त उछाल आया है। इस दौरान यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर 2,17,744 इकाई हो गई। इसी अवधि में पिछले साल यह 1,61,443 इकाई थी।

यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने दी। फाडा के अनुसार, सितंबर महीने के पहले 21 दिन में बिक्री धीमी रही और 22 सितंबर को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें लागू होने के बाद इसमें तेजी आई। वाहन डीलर के संगठन के अनुसार, इस उच्च बिक्री के कारण सितंबर में यात्री वाहन खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 2,82,945 इकाई से छह प्रतिशत बढ़कर 2,99,369 इकाई हो गई। 22 सितंबर के बाद नई जीएसटी दर लागू होने के बाद कीमतों में कटौती की उम्मीद कर रहे ग्राहकों ने महीने के पहले हिस्से में खरीदारी नहीं की।

फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने बयान में कहा, ''देश के मोटर वाहन खुदरा उद्योग के लिए सितंबर 2025 एक असाधारण रूप से अनूठा महीना था। पहले तीन सप्ताह काफी हद तक शांत रहे क्योंकि ग्राहक जीएसटी 2.0 सुधारों की प्रत्याशा में पीछे हट गए। हालांकि, अंतिम सप्ताह में स्थिति नाटकीय रूप से बदल गई क्योंकि नवरात्रि उत्सव कम जीएसटी दरों के कार्यान्वयन के साथ मेल खाता था जिससे ग्राहक भावना में सुधार हुआ और अधिकतर वाहन श्रेणियों की बिक्री में तेजी आई।

उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप माह का अंत कुल मिलाकर पांच प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ हुआ जिसमें तिपहिया और निर्माण उपकरण को छोड़कर सभी खंडों में सकारात्मक गति देखी गई। फाडा के अनुसार, सितंबर के अंतिम दिन में बनी गति दीपावली तक जारी रहेगी जिससे त्यौहार की इस 42 दिन की अवधि के सकारात्मक रुख के साथ खत्म होने की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 12,87,735 इकाई रही जो सितंबर 2024 में 12,08,996 इकाइयों के मुकाबले सात प्रतिशत अधिक है। नवरात्र अवधि में बिक्री 36 प्रतिशत बढ़कर 8,35,364 इकाई हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 6,14,460 इकाई थी। सितंबर 2025 में तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 98,866 इकाई रही, जो सितंबर 2024 की 1,06,534 इकाई की तुलना में सात प्रतिशत कम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट तीन दिनों के अंदर ही आसानी से जीत लिया था। ऐसे में उसे सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली हुई है । भारतीय टीम पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही वेस्टइंडीज पर हावी रही थी। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत हासिल कर सीरीज का समापन 2-0 से करना चाहेगी। भारतीय टीम के इस मैच में भी बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावना है। इस मैच में बल्लेबाज साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के पास भी अपनी क्षमता दिखाने का अवसर है। सुदर्शन पहले मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा।

वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है। जिससे वह इस मैच में भी भारतीय टीम का शायद ही सामना कर पाये। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी पहले टेस्ट में प्रभावहीन नजर आई जिससे उसे पारी की हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज के अधिकतर खिलाड़ी विदेशी टी20 लीग खेलते हैं जिससे उनकी टेस्ट टीम लगातार कमजोर होती गयी है। लंबे प्रारूप में उसके पास अधिकतर ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें किसी भी प्रकार का अनुभव नहीं है।

पहले टेस्ट मैच में वह किसी भी समय भारतीय टीम को टक्कर नहीं दे पायी। भारतीय टीम को इस सीरीज जीतने का एकमात्र लाभ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में मिलेगा। इसके अलावा उसे इस साल के अंत में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले अपने खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर भी मिला है।

जिस प्रकार से भारत ने पहले टेस्ट में खेला है उससे इस मैच में भी मुकाबला समय से पहले समाप्त हो सकता है। जहां की पिच से शुरू में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। । भारतीय टीम जहां खेल के हर विभाग में मजबूत नजर आती है वही वेस्टइंडीज का प्रत्येक विभाग कमजोर नजर आता है। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि उनकी टीम की टेस्ट क्रिकेट में यह गिरावट गंभीर है जिसका इलाज फिलहाल असंभव लगता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अक्षर पटेल, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल।

वेस्टइंडीज = रोस्टन चेज (कप्तान), तेगनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैंपबेल, एलिक अथानाज़, ब्रैंडन किंग, जोहान लेने, जस्टिन ग्रीव्स, खारी पियरे, शाई होप, जेडन सील्स, जेमेल वार्रिकन, केवलन एंडरसन, जेडिया ब्लेड्स, टेविन इमलाच, एंडरसन फिलिप।

स्मृति मंधाना ने 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, वनडे में एक कैलेंडर वर्ष में बनाए सर्वाधिक रन

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना मौजूदा महिला विश्व कप में अपने तीसरे मैच में एक और बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाकर 26 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

स्मृति ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों पर 23 रन बनाए, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था। जब ऐसा लग रहा था कि वह एक बड़ा स्कोर बनाने के लिए तैयार हैं, तभी 29 वर्षीय भारतीय सलामी बल्लेबाज ने लॉन्ग-ऑन पर सुने लुस की गेंद पर आउट हो गई। गुरुवार को बनाए गए 23 रनों के साथ मंधाना का इस साल का कुल स्कोर 17 पारियों में 973 रन हो गया, जो एक साल में महिला वनडे में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं।

मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1997 में 970 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वाड्र्ट 2022 में 882 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मंधना के लिए वनडे में अब तक का साल शानदार रहा है, हालांकि विश्व कप उनके लिए अब तक उतना अच्छा नहीं रहा है। विश्व कप से पहले मंधाना ने 14 पारियों में 66.28 की औसत और 115.85 के स्ट्राइक रेट से 928 रन बनाए थे।

विश्व कप में उनका बल्ला ठंडा रहा है, तीन पारियों में 18.00 की औसत और 72.97 के स्ट्राइक रेट से केवल 54 रन ही बना पाई हैं। लेकिन उनके पास अभी भी एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनकर एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका है। 5 और लीग मैच खेलने के साथ, उनके पास इस मुकाम तक पहुंचने के पर्याप्त अवसर हैं।

कर्नाटक ने रणजी टीम की घोषणा की, करुण नायर की वापसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड ने रणजी ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें करुण नायर की वापसी हुई है। यह अनुभवी बल्लेबाज विदर्भ के साथ एक सफल सत्र के बाद अपनी घरेलू टीम में वापस आ गया है, जहां उन्होंने 53.93 की औसत से 863 रन बनाए थे।

मयंक अग्रवाल कप्तान बने रहेंगे और पिछले सीजन के मिश्रित प्रदर्शन को सुधारने के इरादे से टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें कर्नाटक 7 मैचों में से केवल दो में जीत हासिल कर पाया था और एलीट ग्रुप सी में चौथे स्थान पर रहा था। नायर की वापसी से कर्नाटक की बल्लेबाजी लाइनअप मजबूत हुई है, जिसमें पिछले सीजन के शीर्ष स्कोरर 516 रन बनाने वाले आर स्मरण भी शामिल हैं।

अनुभवी मनीष पांडे अनुपस्थित हैं, जो टीम में बदलाव का संकेत है। विकेट कीपिंग की जिम्मेदारी केएल श्रीजीत और ऋथिक कृष्णा संभालेंगे जबकि गेंदबाजी आक्रमण में वी कौशिक, विशक विजयकुमार, विदवथ कावेरप्पा और अभिलाष शेट्टी शामिल होंगे। कर्नाटक 15 अक्टूबर को राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ अपने रणजी ट्रॉफी 2025 अभियान की शुरुआत करेगा। प्रशंसक करीब से देख रहे हैं कि क्या टीम मजबूत शुरुआत कर सकती है और अपनी विजयी फॉर्म को फिर से हासिल कर सकती है।

कर्नाटक रणजी ट्रॉफी 2025 टीम

मयंक अग्रवाल (कप्तान), करुण नायर, आर स्मरण, केएल श्रीजीत (विकेटकीपर), श्रेयस गोपाल, विशक विजयकुमार, विदवथ कावेरप्पा, अभिलाष शेट्टी, एम वेंकटेश, निकिन जोस, अभिनव मनोहर, ऋथिक कृष्णा (विकेटकीपर), केवी अनीश, मोहसिन खान, शिखर शेट्टी।

रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास पर तोड़ी चुप्पी, '...टीम में तुम्हारे लिए कोई जगह नहीं है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने स्पष्ट किया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का उनका फैसला निजी था और पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में टेस्ट क्रिकेट छोड़ने के लिए उन्हें किसी ने मजबूर नहीं किया था।

इस 39 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल ब्रिस्बेन में 2024-25 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के बाद संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। इसके बाद उन्होंने इस साल अगस्त में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से भी संन्यास की घोषणा कर दी। इससे वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र हो गए हैं। वह इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'किसी ने मुझसे नहीं कहा कि तुम्हें संन्यास ले लेना चाहिए। किसी ने मुझसे नहीं कहा कि टीम में तुम्हारे लिए कोई जगह नहीं है। सच्चाई यह है कि संन्यास का फैसला करने से पहले दो-तीन लोगों ने मुझे ऐसा करने से इनकार किया था लेकिन मैंने अपना फैसला लिया। असल में, वे चाहते थे कि मैं और खेलूं।' उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा (तत्कालीन कप्तान) ने भी मुझे इस बारे में फिर से सोचने को कहा था। गौती भाई (गौतम गंभीर) ने भी मुझे दोबारा सोचने को कहा था। लेकिन मैंने इस बारे में (संन्यास के बारे में) अजीत अगरकर (चयन समिति के अध्यक्ष) से ज्यादा बात नहीं की।' अश्विन ने कहा, 'जब खेल से संन्यास लेने की बात आती है तो यह निजी फैसला होता है और मेरा फैसला भी निजी था।' उनके इस बयान से उन अटकलों पर विराम लग गया है कि टीम प्रबंधन ने उन्हें यह निर्णय लेने के लिए मजबूर किया था। रोहित शर्मा और विराट कोहली की सीनियर जोड़ी के बारे में बात करते हुए अश्विन ने कहा कि टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को उनके साथ स्पष्ट संवाद करना चाहिए।

टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके रोहित और कोहली दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन एकदिवसीय मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। लेकिन रोहित की जगह शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। अश्विन ने कहा, 'विराट कोहली वनडे क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी हैं। जिस तरह से उन्होंने और रोहित ने 2023 विश्व कप में बल्लेबाजी की, उन्हें कुछ साबित करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे उम्मीद है कि उनसे बातचीत हुई होगी। विराट और रोहित शर्मा के साथ जो भी चर्चा होनी थी, वह हो चुकी होगी। उनके साथ स्पष्ट संवाद होना चाहिए।'

अश्विन ने कहा कि रोहित और कोहली दोनों में अभी काफी क्रिकेट बाकी है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कोई भी चयनकर्ता या कोच यह कह पाएगा कि विराट और रोहित की सेवाओं की अब ज़रूरत नहीं है। उनके पास जो अनुभव है उसे आप कहीं से खरीद नहीं सकते हैं।'

रोहित को अब स्वयं संन्यास ले लेना चाहिये : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि रोहित शर्मा को अब टेस्ट और टी20 की तरह ही एकदिवसीय प्रारुप से भी संन्यास की घोषणा कर देनी चाहिये। मनोज के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिस प्रकार से शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम की कप्तानी दी है। उससे साफ संकेत है कि अब रोहित भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं है। इसलिए उन्हें संन्यास की घोषणा करने में देर नहीं करनी चाहिये। वहीं अगर वह अब भी एक खिलाड़ी के तौर पर खेलना चाहते हैं तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। साथ ही कहा कि अगर मैं उनकी जगह होता तो संन्यास लेने के बारे में सोचता। उनके जैसे खिलाड़ी की उपेक्षा नहीं होनी चाहिये। तिवारी ने कहा कि कप्तान के रूप में रोहित का प्रदर्शन ऐसा नहीं था कि उन्हें पद से हटाया जाए। उन्होंने केवल एक आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती बल्कि दो जीतीं हैं। एकदिवसीय विश्व कप में भी वह जीत के बहुत करीब पहुंच गए थे। कप्तान और खिलाड़ी, दोनों के तौर पर उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। उनके नाम 5 आईपीएल ट्रॉफी हैं। इतना सब होने के बाद भी उन्हें अचानक बाहर करना ठीक नहीं है। एकदिवसीय कप्तान के रूप में रोहित का रिकॉर्ड अपने काफी अच्छा रहा है। उनका 75 का जीत प्रतिशत, 10 से ज़्यादा वनडे मैच खेलने वाले किसी भी भारतीय कप्तान में सर्वश्रेष्ठ है। रोहित के नेतृत्व में भारत ने विश्व कप 2023 के फाइनल में जगह बनायी थी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब भी जीता।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 25 वें स्थान पर पहुंचे जडेजा

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25 वें स्थान पर पहुंच गये हैं। जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेली थी। अपनी इस पारी के साथ ही जडेजा के कुल 644 अंक हो गए हैं और वह पायदान ऊपर आये हैं। जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी। बल्लेबाजी के अलावा जडेजा ने गेंदबाजी में भी प्रभावित किया। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 स्थान ऊपर आकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह पहली बार 700 रेटिंग अंकों से ऊपर पहुंचे हैं। इस टेस्ट मैच के साथ ही अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल भी हैं। राहुल अब बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान के लाभ के साथ ही 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद ध्रुव जुरेल 20 स्थानों की छलांग लगाकर 65वें स्थान पर पहुंच गये हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल चार विकेट लेकर सात स्थान के लाभ के साथ ही 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरे ओर आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श की शीर्ष-10 बल्लेबाजों में वापसी हुई है। मार्श को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 85 और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाने का लाभ मिला। इसके अलावा न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन 58 स्थान ऊपर आकर संयुक्त 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉबिन्सन ने माउंट माउंगानुई में सीरीज के पहले ही मैच में नाबाद 106 रन बनाए थे।

रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलेंगे शमी और आकाशदीप, अभिमन्यु करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते नजर आयेंगे। शमी चैम्पियंस ट्राफी के बाद से ही टीम में वापसी नहीं कर पाये हैं। शमी के अलावा = मोहम्मद शमी को भारत की टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों टीमों से बाहर रखा गया है। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप भी इस टीम में शामिल रहेंगे। टीम की कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन को दी गयी है। अभिमन्यु का लक्ष्य भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर भारतीय टीम में जगह के लिए दावेदारी करना रहेगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने इस टीम का कप्तानी उपकप्तान विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को बनाया है।

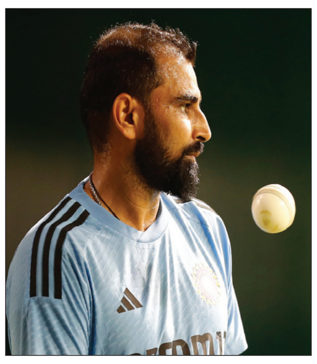

टीम की तेज गेंदबाजी की कमान शमी और आकाश दीप के पास रहेगी। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी अभिमन्यु ईश्वरन और अभिषेक पोरेल के साथ-साथ अनुस्तूप मजूमदर, सुदीप चटर्जी और युवा बल्लेबाज सुदीप कुमार के पास रहेगी। राहुल प्रसाद, सौरभ कुमार सिंह और विशाल भाटी भी रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचना चाहेंगे। लक्ष्मी रतन शुक्ला को टीम का मुख्य कोच बनाया गया है जबकि अरूप भट्टाचार्य और शिब शंकर पॉल टीम के सहायक कोच होंगे। चरणजीत सिंह मथारू को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी दी गयी है।

बंगाल की टीम अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबलों की शुरुआत 15 अक्टूबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में करेगी। उसका पहला मैच उत्तराखंड से होगा। इसके बाद 25 अक्टूबर को वह गुजरात से खेलेगी। शमी, आकशीप आर अभिमुन्यु का प्रयास रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

बंगाल टीम

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), अभिषेक पोरेल (उप कप्तान/विकेटकीपर), सुदीप कुमार घरामी, अनुस्तुप मजूमदार, सुदीप चटर्जी, सुमंत गुप्ता, सौरभ कुमार सिंह, विशाल भाटी, एमडी शमी, आकाश दीप, सूरज सिंधु जायसवाल, शाकिर हबीब गांधी (विकेटकीपर), ईशान पोरेल, काजी जुनैद सैफी, राहुल प्रसाद, सुमित मोहंता और विकास सिंह।

सूर्यकुमार और गंभीर के कारण मुझे वापसी का अवसर मिला : वरुण चक्रवर्ती

मुंबई (एजेंसी)। हाल में एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपनी वापसी का श्रेय कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर को दिया है। वरुण को तीन साल के बाद टीम में जगह मिली पर उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपने चयन को सही साबित कर दिया। वरुण ने कहा, मैं कोच के बारे में कह सकता हूं कि वह टीम में एक साहसी मानसिकता लेकर आते हैं जहां हार का कोई विकल्प नहीं होता, वह खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहते हैं। उनका मानना है कि मैदान पर अपना सौ फीसदी देना होता है। जब वह मौजूद होते हैं, तो आप औसत प्रदर्शन नहीं कर सकते।

वरुण ने साल जुलाई 2021 में भारत के लिए पदार्पण किया था पर 2021 टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन क बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और अक्टूबर 2024 में उन्हें दोबारा खेलने का अवसर मिला। तब से ही वरुण लगातार टी20 एकादश में शामिल रहे हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में एकदिवसीय डेब्यू के साथ ही टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, जब मैंने दोबारा वापसी की, तो सूर्या और गंभीर ने मुझसे बात की और उन्होंने मुझे बताया कि हम आपको विकेट लेने वाले गेंदबाजों में से देखते हैं। और उन्होंने पूरे समय मेरा समर्थन किया। इसके लिए मुझे उन्हें श्रेय देना होगा। मैं तीन साल से ज़्यादा समय तक टीम से बाहर रहा पर इस दौरान आईपीएल में मेरा प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा। उन्होंने मुझे टीम में अवसर दिया यह मेरे लिए बड़ी बात थी।

गंभीर चाहते हैं कि वह एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए और प्रयास करें। इसका कारण है कि टी20 में आप ज़्यादा से ज़्यादा दो ओवर लगातार गेंदबाजी कर सकते हैं पर एकदिवसीय में आपको लगातार पांच से छह ओवर गेंदबाजी करनी होती है, जिस पर मैंने काम किया और चैंपियंस ट्रॉफी में मैं ऐसा करने में सफल रहा। अब वह चाहते हैं कि मैं घरेलू सर्किट में भी थोड़ा और ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करूं और अपनी बल्लेबाजी बेहतर करूं। वरुण ने स्पिनर कुलदीप यादव की भी जमकर तारीफ की, जो एशिया कप में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। वरुण ने कहा, कुलदीप निश्चित रूप से हमारे मौजूदा खिलाड़ियों में सबसे अनुभवी गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने कमाल का प्रदर्शन किया है।

लारा ने वेस्टइंडीज टीम को फटकारा, देश के लिए खेलने का जूनुन होता तो अपने आप बेहतर प्रदर्शन करते

जमैका । वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा अपनी टीम के लगातार खराब होते प्रदर्शन को देखकर दुखी हैं। लारा ने इसी को लेकर टीम को जमकर फटकार लगायी है। लारा ने कहा कि पैसे के साथ ही कई समस्यायें हैं पर इसके बाद भी अगर खिलाड़ियों में जुनून और जज्बा होता तो टीम जरुर सफल होती। लारा के अनुसार प्रतिभा पलायन, बुनियादी ढांचे की कमी और वेतन में हो रही समस्या वेस्टइंडीज क्रिकेट की बदतर होती स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 प्रतियोगिताओं के कारण भी वेस्टइंडीज के खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेटर की उपेक्षा कर रहे हैं। टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की भारी मांग है पर टेस्ट टीम को अच्छे खिलाड़ी नहीं मिल रहे। लारा ने कहा, ''मैं सभी खिलाड़ियों से पूछना चाहूंगा कि वे बताएं कि क्या वे सचमुच वेस्टइंडीज के लिए खेलना चाहते हैं? और यही सबसे अहम बात है, क्योंकि अगर ऐसा है तो आपको कोई न कोई रास्ता मिल ही जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास भी पहले बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। विव रिचर्ड्स ने किसी बेहतर अभ्यास पिच पर बल्लेबाजी नहीं की थी। हमें भी वही काम करना पड़ता था, वही मेहनत करनी पड़ती थी पर तब जज्बा अलग था। वेस्टइंडीज के लिए खेलने का जुनून ही सबसे बड़ा अधिक था।'' टेस्ट क्रिकेट रिकॉर्ड 400 रन की पारी खेलने वाले इस पूर्व दिग्गज ने कहा, ''मैं युवा खिलाड़ियों से आग्रह करता हूं कि वे यह समझें कि देश की ओर से खेलने का उन्हें अवसर मिला।'' लारा ने टेस्ट क्रिकेट में भारत , इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के अलावा अन्य टीमों के बीच होने वाले मैचों में दर्शकों की घटती रुचि पर भी चिंता जाहिर की। साथ ही कहा कि इन टीमों के मैचों में भारी संख्या में दर्शक आते हैं पर अन्य टीमों के साथ ऐसा नहीं होता है।

मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफियां जीतना चाहता हूं: शुभमन गिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि वह भारत के लिए तीनों प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफियां जीतना चाहते हैं। गिल ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पूर्वसंध्या पर कहा, 'लगातार तीनों प्रारुपों में खेलने से तो शारीरिक थकान तो एक बात है, लेकिन कई बार जब आप लगातार खेलते हो तो मानसिक थकान हो जाती है। मैं जब खेलता हूं तो स्वयं से मेरी कुछ अपेक्षाएं होती हैं और मेरा कुछ लक्ष्य होता है। यह एक बहुत बड़ी चुनौती है जो कि मुझे पूरा करना होता है। मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता हूं और सफल होना चाहता हूं। मैं आईसीसी ट्रॉफीज जीतना चाहता हूं। और अगर मुझे ऐसा करना है तो यह एक चुनौती है, जिसे मुझे पूरा करना है।'

टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में इंग्लैंड में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल ने अब अंतरराष्ट्रीय टी-20 में ना सिर्फ वापसी की, बल्कि उन्हें उपकप्तानी भी मिली। इसके बाद वह घरेलू जमीन पर अपनी कप्तानी में पहला टेस्ट मैच जीत रहे थे तभी उन्हें एकदिवसीय टीम का भी कप्तान बना दिया गया।भारतीय टीम प्रबंधन अब भविष्य की ओर देख रहा है अब रोहित शर्मा टीम में बस एक खिलाड़ी के रूप में रह जाएंगे।

अगले साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के अलावा वर्तमान में चल रहा 2027 का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र और 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाला एकदिवसीय विश्व कप शामिल है। उन्होंने कहा, 'बेशक यह घोषणा अहमदाबाद टेस्ट के दौरान (के बाद) हुई, लेकिन मुझे एकदिवसीय कप्तानी मिलने के बारे में टेस्ट मैच से थोड़ा पहले ही पता चल गया था। यह एक बड़ी जिम्मेदारी और सम्मान है। मैं वनडे में भी अपने देश का कप्तानी करने के लिए उत्साहित हूं। पिछले कुछ महीने मेरे लिए बहुत बेहतरीन रहे हैं और मैं आगे की ओर देख रहा हूं। मैं वर्तमान में रहना चाहता हूं और ज्यादा पीछे नहीं देखना चाहता। मैं बस भविष्य की ओर देख रहा हूं और आने वाले महीनों में जो भी मैच आए, उन्हें जीतना चाहता हूं।'

गिल ने इस बात से इनकार कर दिया कि रोहित और विराट उनके 2027 की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट अभी भी खेल रहे हैं। गिल ने तो यह भी कहा कि वह रोहित की कप्तानी से बहुत कुछ अपनी कप्तानी में उतार भी रहे हैं। उन्होंने कहा, 'रोहित और कोहली के पास जिस तरह का अनुभव है, जिस तरह से उन्होंने भारत को मैच जिताए हैं, ऐसे बहुत ही कम खिलाड़ी होंगे। उनकी क्षमता, कौशल और अनुभव के खिलाड़ी दुनिया में भी बहुत कम है। ये सब देखते हुए हम निश्चित रूप से उनकी ओर देख रहे हैं।

इसके अलावा रोहित (शर्मा) भाई जिस तरह से शांत रहते हैं और जिस तरह से वह खिलाड़ियों के साथ संबंध बनाते हैं, वह सब उनसे सीखने लायक है।' भारतीय टीम का कैलेंडर आने वाले समय में बहुत व्यस्त है। टेस्ट सीरीज समाप्त होने के तुरंत बाद भारतीय टीम दिल्ली से ही पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) के लिए रवाना हो जाएगी, जहां उन्हें तीन एकदिवसीय और पांच अंतरराष्ट्रीय टी20 खेलने है। इसके बाद भारतीय टीम को तुरंत ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है। गिल की तीनों प्रारूपों में भूमिका का मतलब है कि उन्हें अब लगातार क्रिकेट खेलना है।

वनडे कप्तान शुभमन गिल ने कर दिया साफ, 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम के प्लान में बने रहेंगे कोहली-रोहित

नई दिल्ली। वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले प्रेस से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की योजना का हिस्सा बने रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि, इन दोनों खिलाड़ियों के कौशल और अपार अनुव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि वह इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे से इस फॉर्मेट की कमान संभालने पर अपने पूर्ववर्ती रोहित शर्मा की तरह ड्रेसिंग रूम में शांत माहौल बनाए रखने और खिलाड़ियों के साथ दोस्ताना व्यवहार करने की कोशिश करेंगे। पहले ही भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी संभाल रहे 26 वर्षीय गिल 19 से 25 अक्तूबर तक ऑस्ट्रेलिया में होने वाली तीन मैचों की सीरीज के साथ अपनी वनडे कप्तानी की शुरुआत करेंगे। ये पूछे जाने पर कि क्या उन्हें लगता है कि रोहित और कोहली अगले वनडे वर्ल्ड कप की योजना का हिस्सा हैं तो गिल चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर की तरह सतर्क नहीं थे, जिन्होंने हाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस मुद्दे पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई थी। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पूर्व संध्या पर उन्हें वनडे टीम का कप्तान भी नियुक्त करने से संबंधित सवालों के जवाब देते हुए कहा कि, बिल्कुल। उनके पास जो अनुभव है और उन्होंने भारत के लिए जितने मैच जीते हैं। ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं जिन्होंने भारत के लिए इतने मैच जीते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, और राजस्थान का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती(सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

करवा चौथ

प्यार-विश्वास का त्योहार

ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवाचौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। शास्त्रों के अनुसार यह व्रत कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी के दिन करना चाहिए। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। करवाचौथ में भी संकष्टीगणेश चतुर्थी की तरह दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरांत ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवाचौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

व्रत – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करक चतुर्थी (करवा–चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि केवल सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। जो सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे यह व्रत रखती हैं।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अतः सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

व्रत की विधि – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है, उस दिन प्रातः स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें।

पूजन – उस दिन भगवान शिव–पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। पूजन करने के लिए बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी बनाकर उपरोक्त वर्णित सभी देवों को स्थापित करें।

नैवेद्य – शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर मोदक (लड्डू) नैवेद्य हेतु बनाएँ।

करवा – काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के करवे अथवा तांबे के बने हुए करवे।

संख्या – 10 अथवा 13 करवे अपनी सामर्थ्य अनुसार रखें।

पूजन विधि – बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव–पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाड़ा बाँधकर देवता की भावना करके स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें।

पूजन हेतु निम्न मंत्र बोलें – ओम शिवायै नमः से पार्वती का, ओम नमः शिवाय से शिव का, ओम षण्मुखाय नमः से स्वामी कार्तिकेय का, ओम गणेशाय नमः से गणेश का तथा ओम सोमाय नमः से चंद्रमा का पूजन करें।

करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता–पिता को भोजन कराएँ। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। पति की माता (अर्थात अपनी सासूजी) को उपरोक्त रूप से अर्पित एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

पूजन सामग्री

करवा चौथ एक नारी पर्व है। इस व्रत को सौभाग्यवती महिलाएं करती हैं। इस व्रत में प्रमुखतः गौरी व गणेश का पूजन किया जाता है। जिसमें पूजन सामग्री का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। आइए देखते हैं करवा चौथ से जुड़ी पूजन सामग्री की सूची – 1. चंदन 2. शहद 3. अगरबत्ती 4. पुष्प 5. कच्चा दूध 6. शक्कर 7. शुद्ध घी 8. दही 9. मिठाई 10. गंगाजल 11. कुंकू 12. अक्षत (चावल) 13. सिंदूर 14. मेहंदी 15. महावर 16. कंघा 17. बिंदी 18. चुनरी 19. चूड़ी 20. बिछुआ 21. मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन 22. दीपक 23. रुई 24. कपूर 25. गेहूं 26. शक्कर का बूरा 27. हल्दी 28. पानी का लोटा 29. गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी 30. लकड़ी का आसन 31. चलनी 32. आठ पूरियों की अठावरी 33. हलुआ 34. दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, इत्यादि।

दूध का अर्घ्य चढ़ेगा चंद्र देव को

पति की लंबी उम्र और मंगल कामना के लिए सुहागिनें करवा चौथ का व्रत रखेंगी। इस दिन निर्जला उपवास कर शाम को चंद्र दर्शन के बाद व्रत का समापन करेंगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। सौभाग्यवती महिलाएं अखंड सुहाग की रक्षा और पति के स्वस्थ्य एवं दीर्घायु जीवन के लिए निर्जला व्रत रखेंगी। इस दिन महिलाएं सुबह से ही व्रत रखकर संध्या के समय करवा चौथ की कथा का श्रवण करेंगी और रात में चंद्रदेव को अर्घ्य देकर व्रत तोड़ेंगी। यह व्रत निराहार ही नहीं बल्कि निर्जला के रूप में ही करना अधिक लाभप्रद माना जाता है। इस व्रत में भगवान शिव–पार्वती, कार्तिकेय, चंद्रदेव और गौरा का पूजन करने का विधान है। विधिवत पूजा–अर्चना के लिए एक तांबे या मिट्टी के पात्र में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री किसी श्रेष्ठ सुहागिन महिला या अपनी सास के चरण स्पर्श कर उन्हें भेंट करना चाहिए। कथा श्रवण करने के बाद रात में जैसे ही चंद्रदेव का उदय हो उसे छलनी से देखकर दूध एवं जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद पहले चंद्रदेव और अपने पतिदेव की पूजा–अर्चना की जाती है। ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है।

व्रत की पूजन विधि

हिंदू सनातन पद्धति में करवा चौथ सुहागिनों का महत्वपूर्ण त्योहार माना गया है। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, चूड़ी पहन व सोलह श्रृंगार कर अपने पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। यदि दो दिन की चंद्रोदय व्यापिनी हो या दोनों ही दिन, न हो तो मातृविद्धा प्रशस्यते के अनुसार पूर्वविद्धा लेना चाहिए। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग–अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा–बहुत अंतर होता है। सार तो सभी का एक होता है पति की दीर्घायु।

करवा चौथ व्रत विधि

- करवा चौथ की आवश्यक संपूर्ण पूजन सामग्री को एकत्र करें।
- व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें– मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।
- पूरे दिन निर्जला रहें।
- दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं। चित्रित करने की कला को करवा धरना कहा जाता है।
- आठ पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं।
- पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।
- गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें।
- जल से भरा हुआ लोटा रखें।
- वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।
- रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएं।
- गौरी–गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें। नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे॥
- करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें।
- कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।
- तेरह दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें।
- रात्रि में चन्द्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चन्द्रमा को अर्घ्य दें।
- इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें।

पूजन के पश्चात आस–पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।

करवाचौथ की कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी। शाम को भाई जब अपना व्यापार–व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख–प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है। उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है। सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है। अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश–श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

भारत भर में मनाया जाता है करवा चौथ

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चौथी तिथि को सदियों से करवा चौथ के रूप में मनाया जाता है। इसे करक, करवा, करूआ या करूवा अनेक नामों से जाना जाता है। कई स्थानों पर इसे करवा गौर के नाम से भी पहचाना जाता है।

करवा मिट्टी या धातु से बने हुए लौटे के आकर के एक पात्र को कहते हैं, जिसमें टोंटी लगी होती है। करवा चौथ का व्रत स्त्रियां अपने सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए रखती हैं। शास्त्रों में दो विशिष्ट संदर्भों की वजह से करवा चौथ व्रत के पुरातन स्वरूप का प्रमाण मिलता है। इस व्रत के साथ शिव–पार्वती के उल्लेख की वजह से इसके अनादिकाल का पता चलता है। संपूर्ण भारत में, विशेष रूप से उत्तर–पूर्वी भारत में करवा चौथ का व्रत मनाया जाता है। निर्जला एकादशी व्रत की तरह यह व्रत भी निराहार व निर्जला होता है।

ऐसा माना जाता है कि यह व्रत सिर्फ विवाहिता स्त्रियों के लिए है परंतु अविवाहित कन्याओं द्वारा भी इस व्रत को किए जाने के प्रमाण उपलब्ध हैं। फर्क सिर्फ इतना ही है कि सौभाग्यवती महिलाएं चंद्रदर्शन के पश्चात व्रत तोड़ती हैं और कन्याएं आसमान में पहले तारे के दर्शन के बाद व्रत समाप्त करती हैं। संभव है कि लोकोक्ति पहला तारा मैंने देखा, मेरी मर्जी पूरी इस व्रत के कारण ही शुरू हुई हो। करवा चौथ व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय और चंद्रमा की पूजा की जाती है। इस व्रत के लिए चंद्रोदय के समय चतुर्थी होना जरूरी माना गया है। इस व्रत में करवे का विशेष रूप से प्रयोग होता है। महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं और चंद्रोदय के बाद भोजन–जल ग्रहण करती हैं। करवे में पकवान भरे जाते हैं या पताशे रखे जाते हैं और उन्हें दान में दिया जाता है। कई स्थानों पर चावल से बने व्यंजन भी रखे जाते हैं। इसी दिन शाकप्रस्थपुर के वेदधर्मा ब्राह्मण की विवाहिता पुत्री वीरवती की कथा सुनाई जाती है, जिसने यह व्रत किया था और पुनः अपने पति को प्राप्त किया था। दीवारों पर या जमीन पर सूर्य, चंद्र और करवे के चित्र बनाए जाते हैं। करवे को चावल व अलग–अलग रंगों से आवृत्तियां बनाकर सजाया जाता है। करवे की टोंटी में सरकंडे की सीकें लगाई जाती हैं। टोंटीवाले करवे के लोटे का चयन संकल्प व आचमन हेतु जल निकालने के लिए किया जाना, संभव है इस व्रत के पूर्व में ही विद्यमान रहा होगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर 21.78 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक मुंबई एयरपोर्ट पर दुनिया भर से यात्री आते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। इसके अलावा, चूंकि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, इसलिए एयरपोर्ट पर सुरक्षा की भी हमेशा समीक्षा होती रहती है। यहां अक्सर सोने या ड्रग्स जैसी वस्तुओं की तस्करी होती है। अब, यह खुलासा हुआ है कि खजूर के पैकेट से कोकीन की तस्करी की जा रही है। दरअसल एयरपोर्ट के सुरक्षा गार्डों ने एक खजूर के पैकेट से 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त किया है और इसकी मौजूदा बाजार कीमत 21.78 करोड़ रुपये है। बताया गया है कि तस्करों द्वारा खजूर के पैकेट से खजूर निकालकर, खजूर से बीज निकालकर और उनमें कोकीन भरकर तस्करी करने की कोशिश की थी। हालांकि, मुंबई एयरपोर्ट पर इस साजिश का पर्दाफाश हो गया। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 21.78 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन की जब्ती को हवाई अड्डा सुरक्षा और पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की यह एक बड़ी कार्रवाई है और सुरक्षा एजेंसियों ने 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त की है। बताया गया है कि सिएरा लियोन से आए यात्री के साथ कोकीन की डिलीवरी लेने आए एक शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि जब्त पाउडर कोकीन है, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। अब यह जांच की जा रही है कि कोकीन कहां से लाया गया था और कहां ले जाया जा रहा था। इसके अलावा, पुलिस भारत में इस तस्करी के कनेक्शन की भी जांच कर रही है।

कैबिनेट की मंजूरी, कर्नाटक में महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य कैबिनेट ने मैन्स्ट्रुअल लीव पॉलिसी–2025 को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत राज्यभर में कार्यरत सभी महिलाओं को हर महीने एक दिन की सवेतन (पेड) पीरियड लीव मिलेगी। यह नीति अब आधिकारिक रूप से लागू कर दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस सुविधा का लाभ केवल सरकारी कर्मचारियों को ही नहीं, बल्कि वस्त्र उद्योग, बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी), आईटी सेक्टर और अन्य निजी संस्थानों में काम करने वाली महिलाओं को भी मिलेगा। राज्य के श्रम मंत्री संतोष ने बताया कि यह प्रस्ताव गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में पारित किया गया। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला ऐसा व्यापक कानून है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, कल्याण और कार्यस्थल पर उनके अधिकारों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में सरकार ने एक साल में छह पीरियड लीव देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर हर महीने एक दिन यानी सालाना 12 दिन कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि यह नीति महिलाओं की कार्यक्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और समावेशी कार्यसंस्कृति को मजबूत करेगी।

20 बच्चों की मौत के मामले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप कंपनी का लाइसेंस रद्द

चैन्नई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से 20 बच्चों की मौत के बाद, तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने गुरुवार को बताया कि कंपनी का लाइसेंस अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है और जांच के बाद इसे स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में छिंदवाड़ा एसपी के मुताबिक कंपनी के मालिक रंगनाथन को चेन्नई की कोर्ट में पेश किया जाएगा और ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद छिंदवाड़ा लाया जाएगा। इस बीच मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बुधवार को बताया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से मध्य प्रदेश में 20 बच्चों की मौत हुई है। पांच का इलाज चल रहा है। इन 20 बच्चों में से 17 छिंदवाड़ा जिले के, दो बैतूल और एक पांढुर्ना जिले का है। डिप्टी सीएम शुक्ला ने कहा कि इस घटना को लेकर राज्य सरकार सख्त है। छिंदवाड़ा से पुलिस की टीमें कोल्ड्रिफ निर्माण कंपनी के मालिक रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है। बता दें डॉक्टरों के एक समूह और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को छिंदवाड़ा जिले में एक विरोध प्रदर्शन किया और सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी की रिहाई की मांग की, जिन्हें हाल ही में जिले में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले में जेल भेजा गया था।

पुलिस ने दिल्ली में 28 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया, डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 28 बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई बढ़ती अवैध प्रवास की चिंताओं को देखते हुए की गई, जिसमें बिना वैध दस्तावेज के रह रहे लोगों की पहचान और निर्वासन पर जोर दिया गया। पुलिस उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अवैध प्रवासियों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में झुग्गी–झोपड़ियों, श्रमिक शिविरों और अनधिकृत कॉलोनियों से हिरासत में लिया है। पुलिस ने मुखबिरों की मदद से खुफिया जानकारी जुटाई और अवैध तरीके से भारत आने वाले रास्तों की पहचान की। पुलिस टीम ने फील्ड इंटेलिजेंस, मुखबिर नेटवर्क और स्थानीय पूछताछ का सहारा लिया। सत्यापन अभियान चलाकर कड़ी निगरानी की, जिसके बाद 28 लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि ये पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से अवैध तरीके से भारत आए थे और उनके साथ कई अन्य अज्ञात लोग भी शामिल हो सकते हैं। इनमें से किसी के पास भी वैध दस्तावेज नहीं मिले। गिरफ्तार किए गए सभी प्रवासियों को अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक ये लोग अकुशल मजदूर हैं जो कूड़ा बीनने, खेतिहर काम या अनौपचारिक व्यवसायों में लगे थे।

पार्टी आपकी आभारी है और हम इस समर्थन को बेकार नहीं जाने देंगे

–बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर की लखनऊ में बड़ी रैली

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ की सड़कों पर हर तरफ नीले झंडे, पोस्टर और बैनर दिखाई दे रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती गुरुवार को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर एक बड़ी रैली कर रही हैं। उन्होंने इस दौरान कांशीराम को श्रद्धांजलि दी। अपार संख्या में पहुंचे लोगों और कार्यकर्ताओं-समर्थकों का मायावती ने आभार जताते हुए कहा कि जनता ने इस बार जबरदस्त समर्थन दिखाया है। साथ ही योगी सरकार की सराहना की तो वहीं समाजवादी पार्टी पर जमकर तीखा हमला बोला।

मायावती ने कहा कि आज का जनसमूह यह दिखाता है कि हमने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पार्टी आपकी आभारी है और हम इस समर्थन को बेकार नहीं जाने देंगे। इसके अलावा उन्होंने लखनऊ के स्मारकों और पार्कों के रखरखाव का मुद्दा उठाया और कहा कि जब उनकी सरकार ने कांशीराम के सम्मान में यह स्मारक बनवाए थे, तो एक व्यवस्था की गई थी कि यहां आने वाले दर्शकों से जो टिकट का पैसा लिया जाएगा, वह इन्हीं स्मारकों के रखरखाव पर खर्च होगा।

मायावती ने सत्ताधारी यूपी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सीएम योगी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि टिकट से मिलने वाला पैसा इन स्थलों के रखरखाव में लगाया जाए। बीजेपी सरकार ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाया और मरम्मत का पूरा खर्च उठाया। इसके लिए हम उनका आभार जताते हैं। सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब अखिलेश यादव सत्ता में होते हैं तो न उन्हें कांशीराम याद आते हैं, न ही पीडीए। सत्ता से बाहर होते ही उन्हें ये सब याद आने लगता है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि अगर सपा को कांशीराम जी से इतना ही सम्मान था, तो अलीगढ़ मंडल में जो ज़िला कांशीराम जी के नाम पर बनाया गया था, सपा सरकार आते ही उसका नाम क्यों बदल दिया गया? हमने कांशीराम जी के नाम पर कॉलेज, यूनिवर्सिटी और जनकल्याण योजनाएं शुरू की, लेकिन सपा का रवैया हमेशा से दोहरा रहा है- ना नीयत साफ है, ना नीति।

मायावती ने कहा कि जब सत्ता में रहते हैं तो उन्हें न तो पीडीए याद आता है और न ही कोई पुण्यतिथि। लेकिन जब सपा सत्ता से बाहर हो जाती है तो उन्हें संगोष्ठी की याद आती है। मैं अखिलेश से पूछना चाहती हूं कि यदि कांशीराम जी के प्रति आपका इतना ही आदर सम्मान था तो जब उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार थी और हमने अलीगढ़ मंडल में कासगंज नाम से एक जिला बनाया और उस जिले का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा गया था। समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही उसका नाम क्यों बदल दिया? हमने कांशीराम जी के नाम पर अनेकों संस्थानों के नाम रखें, अनेक योजनाएं शुरू की जिसे समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही बंद कर दियाज्यह उनका दोहरा चरित्र नहीं है तो क्या है?

मायावती ने कहा कि मरने से पहले कांशीराम जी की दिली तमन्ना थी कि जहां दलितों और अन्य उपेक्षित वर्गों की आबादी ज?यादा है तो अकेले ही अपने दम पर पूरे दम से सरकार बनानी होगी, लेकिन दुख की बात ये है कि कांशीराम के जीते जी तो इनका ये सपना साकार नहीं हो सका था तो 2007 में हमने बहुजन समाज के अेकेले पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई, इससे पहले हमने मिली जुली सरकार बनाई, लेकिन चौथी बार हमने यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

उन्होंने कहा कि ये बीजेपी, कांग्रेस सपा और दूसरे जातिवादी दलों को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा, जबकि इससे पहले केंद्र की बीजेपी सरकार ने मेरे, भाई बहन, रिश्तेदारों पर जबदस्ती गलत केस लगाकर आईटी और सीबीआई को पीछे लगाकर छवि को धूमिल करने का काम किया, कांग्रेस ने भी हमें राहत देने की बजाय का उलझा दिया। ऐसे हालातो में भी हमने डॉ. अंबेडकर के बताए रास्तों पर चलते हुए 2007 में अपनी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

भारत के स्टार क्रिकेटर को अंडरवर्ल्ड से धमकी, 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

मुंबई (एजेंसी)। एशिया कप जीतने वाले भारत के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड ने धमकी देते हुए उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। मुंबई पुलिस ने रिंकू को धमकी देने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रिंकू सिंह को पहले भी धमकी मिल चुकी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि रिंकू सिंह को यह धमकी किसी और की नहीं, बल्कि मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के गिरोह यानी डी-कंपनी की तरफ से आई है। फरवरी से अप्रैल 2025 के बीच रिंकू की प्रमोशनल टीम को तीन धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे। रिंकू सिंह को इस साल तीन बार धमकियां मिलीं। धमकी भरे मैसेज रिंकू सिंह को नहीं, बल्कि उनकी प्रमोशनल टीम को भेजे गए थे।

क्राइम ब्रांच ने बताया कि यह मामला किसी बड़े रैकेट से जुड़ा है। क्योंकि जीशान सिद्दीकी को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले थे। रिंकू सिंह को धमकी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने धमकी देने की बात कबूल कर ली है। इससे पहले, जीशान सिद्दीकी के पिता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उन्हें धमकी दी गई थी और 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। इस मामले में इंटरपोल की मदद से मोहम्मद दिलशाद और मोहम्मद नवीद को त्रिनिदाद और टोबैगो से पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जीशान को ये धमकी भरे ईमेल 19 से 21 अप्रैल के बीच मिले थे। इनमें उन्हें यह भी चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने फिरौती नहीं दी, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

केदारनाथ में टूटा 2024 का रिकॉर्ड, श्रद्धालुओं की संख्या 16.56 लाख के पार

–पिछले वर्ष पूरे यात्रा काल में पहुंचे थे 16 लाख 52 हजार 76 यात्री

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा फिर रफ्तार पकड़ गई है। बारिश और बर्फबारी के बावजूद यात्रियों में भारी उत्साह बना हुआ है। केदारनाथ यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। आज बुधवार को यहां श्रद्धालुओं की संख्या 16 लाख 52 हजार के पार पहुंच गई, जबकि अभी धाम कपाट बंद होने में 14 दिन का समय बचा है। वर्ष 2024 में पूरे यात्रा काल में 16 लाख 52 हजार 76 यात्री केदार दर्शन के लिए पहुंचे थे। बुधवार को केदारनाथ धाम में 5614 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। केदार धाम के कपाट आगामी 23 अक्टूबर को भैया दूज के अवसर पर बंद होंगे। अभी यात्रा 15 दिन और चलेगी। इस प्रकार यहां यात्रियों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है। बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में भी अब यात्रियों की संख्या बढ़ी है। प्रदेश सरकार की ओर से श्रद्धालुओं के उत्साह को देखते हुए सुरक्षित यात्रा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्रा मार्ग में सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। यात्रा मार्ग पर यातायात सुचारू बना रहे, इसके लिए भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर मलबे की सफाई के लिए जेसीबी की व्यवस्था की गई है। बता दें कि इस वर्ष 30 अप्रैल को गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हो गया था। इसके बाद दो मई को केदारनाथ और चार मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए थे। मानसून सीजन में अतिवृष्टि, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के चलते चारधाम यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रकृति की विनाशलीला में गंगोत्री धाम का महत्वपूर्ण पड़ाव धराली बुरी तरह तबाह हो गया। मार्ग बुरी तरह तहस-नहस हो जाने से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा को रोकना पड़ा था। बारिश थमने पर भी यहां यात्रा को बहाल करना बड़ी चुनौती था, लेकिन शासन-प्रशासन की टीमों ने युद्धस्तर पर कार्य कर आम जनजीवन की बहाली के साथ ही यात्रा मार्गों को सुचारू किया। दोनों धामों की यात्रा भी सुरक्षा इंतजामों के साथ शुरू हो गई। प्रशासन की ओर से यात्रियों को अभी भी एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। यात्रियों को बार-बार आगाह किया गया है कि मौसम खराब होने पर यात्रा करने से बचें। यदि यात्रा मार्ग में हैं, तो सुरक्षित स्थान पर शरण लें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलाधिकारियों से कहा है कि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी यात्रा मार्गों पर आवश्यक यात्री सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी जिम्मेदार अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा जाए।

आईपीएस अफसर आत्महत्या मामले में डीजीपी और एसपी की हो गिरफ्तारी

–मृतक पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अमनीत ने लगाए गंभीर आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले ने जोर पकड़ लिया है। अफसर की आत्महत्या के दौरान जापान गईं उनकी पत्नी अमनीत पी कुमार भारत लौट आई हैं और उन्होंने इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी है। हरियाणा कैडर की आईएएस अमनीत ने अपनी शिकायत में डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया पर आरोप लगाया है कि वे पति का उत्पीड़न कर रहे थे। इसके चलते उन्होंने खुदकुशी की।

अमनीत ने मांग की है कि हरियाणा के डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ एससी-एसटी ऐक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाए। आईपीएस वाई पूरन कुमार दलित समाज से आते थे। उन्होंने हाल ही में रोहतक की सुनारिया जेल की जिम्मेदारी मिली थी और आईजी की पोस्ट पर तैनात थे। उन्होंने खुद को चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित आवास पर खुद को गोली मार ली थी।

आईएएस अफसर और पूरन की पत्नी अमनीत ने दावा किया है कि उनके पति ने सुसाइड नोट में मांग की है कि डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ मामला दर्ज हो और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। अमनीत ने अपनी शिकायत में लिखा है कि मेरे पति जो बेहद ईमानदारी थे। वह घर में गोली लगने से मृत पाए गए। आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या कहा जा रहा है, लेकिन मेरी आत्मा कहती है कि यह उनका लगातार उत्पीड़न होने का परिणाम है।

अमनीत ने आरोप लगाया कि उनके पति का सालों से उत्पीड़न किया जा रहा था। उन्हें सीनियर अधिकारी व्यक्तिगत तौर पर परेशान करते थे और इन लोगों में डीजीपी शत्रुजीत कपूर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पति बताते थे कि जाति के आधार पर उनके खिलाफ भेदभाव हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया था कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है और किसी मामले में उन्हें फंसाया जा सकता है। ऐसा डीजीपी के इशारे पर हो रहा है।

यही नहीं अमनीत ने रोहतक के अर्बन एस्टेट पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि 6 अक्टूबर को जो एफआईआर दर्ज की गई थी, वह गलत है। इसमें उनके पति के स्टाफ में शामिल सुशील कुमार का इस्तेमाल किया गया।

अमनीत ने कहा कि उनके पति को इस मामले में फंसाया गया और इसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि उनके पति पूरन कुमार ने इस मामले को लेकर डीजीपी शत्रुजीत कपूर से बात की थी, लेकिन उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि पूरन ने इसके बाद रोहतक के एसपी से भी बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में डीजीपी और रोहतक के एसपी की गिरफ्तारी होनी चाहिए और इंसाफ मिलना चाहिए।

टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर बम की धमकी... पुलिस ने घर का एक-एक कोने की तलाशी ली

–कॉल करने वाले की पहचान करने की तैयारी में जुटी पुलिस

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडू की राजधानी चेन्नई के नीलंकरई में अभिनेता से नेता बने टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर गुरुवार सुबह बम की धमकी भरा कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को मोबाइल फोन पर संपर्क कर बम होने की सूचना देकर कॉल काट दी। हालांकि सघन जांच के बाद यह अफवाह निकली। बम की सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और विजय के आवास की गहन तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि धमकी भरा कॉल फर्जी था। पुलिस ने कॉल करने वाले की पहचान और स्थान का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मामले की गहन छानबीन जारी है। इसके पहले 28 सितंबर को विजय को धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। विजय को मिले मेल की जांच के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम ने मामले की गंभीरता को देखकर कार्रवाई शुरू कर दी। बम स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। स्निफर डॉग्स की मदद से विजय के घर की जांच पड़ताल की गई। सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई कई घंटे चली। जांच के बाद कोई संदिग्ध या खतरनाक वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने साफ किया था कि भेजा गया धमकी वाला ईमेल केवल एक धोखा था, इसका मकसद अफरातफरी फैलाना था। यह ईमेल किसने और क्यों भेजी, इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस की साइबर सेल मामले की तहकीकात कर रही है ताकि जल्द ही दोषियों को पकड़ा जा सके। इस बीच गुरुवार को फिर बम की धमकी का कॉल प्राप्त होना, पुलिस और सुरक्षाबलों के लिए चुनौती है। हालांकि जांच में कॉल फर्जी निकली है, लेकिन पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार जांच की जा रही है कि कॉल करने वाला कौन था। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ा जाएगा।

नए उपराष्ट्रपति की पहली ही बैठक में विपक्ष ने सत्तारुढ़ बीजेपी को घेरा

संसद में सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही और सवालों से बच रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की अध्यक्षता में बुलाई गई राज्यसभा फ्लोर लीडर्स की बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बैठक में विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह संसद में विपक्ष की आवाज दबा रही है और सवालों से बच रही है। बैठक में राज्यसभा में नेता जेपी नड्डा भी मौजूद थे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद जॉन ब्रिटास ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह विपक्ष के सवालों से बचती है और पारदर्शिता से काम करने से इनकार करती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सवालों की अनुमति तक नहीं देती, जिनकी जानकारी आम जनता सूचना का अधिकार के जरिए भी हासिल कर सकती है। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने नए संसद भवन की लागत से जुड़ा एक सवाल पूछा था, जिसे अनुमति नहीं दी गई। इसी तरह, पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर पूछे गए सवाल को गोपनीय बताकर अस्वीकृत कर दिया, जबकि ऐसी जानकारी तेल कंपनियों के संगठन खुद सार्वजनिक रूप से जारी करते हैं।

विपक्षी नेताओं का कहना है कि संसद में सरकार द्वारा सूचना साझा करने में हिचकिचाहट बढ़ रही है। कई बार ऐसे मुद्दों पर भी सवाल रोके जा रहे हैं जो सीधे जनता से जुड़े होते हैं। एक विपक्षी नेता ने कहा कि जब संसद ही जवाब मांगने का सर्वोच्च मंच है और अगर वहां भी सवाल नहीं पूछे जा सकते तो फिर जवाबदेही कहां होगी?

सूत्रों के मुताबिक बैठक में बीजेपी नेताओं ने विपक्ष के आरोपों पर स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि सभी प्रश्न संसद के नियमों और प्रक्रियाओं के मुताबिक ही स्वीकार किए जाते हैं। बता दें पिछले कुछ सत्रों में संसद में सवालों की अस्वीकृति और विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर बार-बार विवाद हुआ है। विपक्ष का कहना है कि इससे संसद का लोकतांत्रिक चरित्र कमजोर हो रहा है, जबकि सरकार का तर्क है कि वह सदन में सद्भावना और अनुशासन बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन या उपदेश नहीं देने चाहिए

–पूर्व जज ने सीजेआई गवई को ही जूता फेंकने की घटना का जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने भारत के सीजेआई बीआर गवई को ही जूता फेंके जाने वाली घटना का जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को कोर्ट में कम बात करनी चाहिए प्रवचन नहीं देने चाहिए। वकील राकेश किशोर ने कोर्ट में ही सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। किशोर का दावा था कि वह सीजेआई की टिप्पणियों से आहत था।

पूर्व जज काटजू ने एक्स पर लिखा- मैं सीजेआई पर जूते फेंके जाने की निंदा करता हूं, लेकिन उन्होंने खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए खुद ही इस घटना को न्योता दिया था। उन्होंने कहा था कि आप कहते हैं कि आप विष्णु के बहुत बड़े भक्त हैं। जाएं और जाकर देवता से कहें कि वह खुद ही कुछ करें। उन्होंने आगे लिखा कि ऐसी टिप्पणियों की कोई जरूरत नहीं थी, ये अनुचित थीं और गैर जरूरी थीं। इसका मामले के कानूनी मुद्दों से कोई लेना देना नहीं था। जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन, उपदेश नहीं देने चाहिए।

वहीं वकील राकेश किशोर ने सीजेआई गवई को लेकर कहा कि बात यह है कि मैं बहुत ज्यादा आहत हुआ कि 16 सितंबर को चीफ जस्टिस की कोर्ट में किसी व्यक्ति ने जनहित याचिका लगाई थी। तो गवई साहब ने पहले तो उसका पूरी तरह से मजाक उड़ाया। सीजेआई ने यह कहा कि आप मूर्ति से प्रार्थना करो जाकर, मूर्ति से कहो कि अपना सिर खुद दोबारा बना ले। किशोर ने कहा कि ठीक है उस आदमी को रिलीफ नहीं देनी थी, तो मत दीजिए, लेकिन ऐसा मजाक भी मत कीजिए। फिर उससे कहा कि आप उसी मूर्ति के सामने जाकर ध्यान लगाएं। अन्याय यह किया कि उसकी याचिका को खारिज भी कर दिया। इन चीजों को लेकर आहत था।

बेंगलुरु पुलिस ने वकील किशोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भक्तवचला की शिकायत के बाद वकील राकेश किशोर के खिलाफ कई धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान-बांग्लादेश बढ़ा रहे अपनी सैन्य ताकत

–अमेरिका देगा घातक मिसाइल, तो चीन देगा लड़ाकू विमान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में तनाव जारी है। साथ ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भी अपदस्थ पीएम शेख हसीना को लेकर भारत पर निशाना साध रही है। ऐसे में ये दोनों पड़ोसी देश अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। एक ओर जहां पाकिस्तान को अमेरिका एडवांस और घातक मिसाइल देने की बात कह रहा है। वहीं, चीन से बांग्लादेश को लड़ाकू विमान मिलने के आसार हैं। हालांकि इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के युद्ध मंत्रालय की ओर से हाल ही में अधिसूचित एक हथियार अनुबंध में एआईएम-120 अमराम मिलसाइलें के खरीदारों में पाकिस्तान का भी नाम शामिल है। अधिसूचना में कहा गया है कि इस अनुबंध में ब्रिटेन, पोलैंड, पाकिस्तान, जर्मनी, फिनलैंड, ऑस्ट्रेलिया, रोमानिया, कतर, ओमान, कोरिया, यूनान, स्विट्जरलैंड, पुर्तगाल, सिंगापुर, नीदरलैंड, चेक गणराज्य, जापान, स्लोवाकिया, डेनमार्क, कनाडा, बेल्जियम, बहरीन, सऊदी अरब, इटली, नॉर्वे, स्पेन, कुवैत, फिनलैंड, स्वीडन, ताइवान, लिथुआनिया, इजरायल, बुल्गारिया, हंगरी और तुर्की को विदेशी सैन्य बिक्री शामिल है।

वहीं बांग्लादेश ने 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत से चीन निर्मित 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बनाई है। मीडिया रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है कि इस सौदे में प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य संबंधित खर्च भी शामिल है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश को ये लड़ाकू विमान 2026 और 2027 में बांग्लादेशी वायु सेना के आधुनिकीकरण और राष्ट्रीय हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए मिलेंगे। इस सौदे पर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें साल 2020 में गलवान में हुई सैन्य झड़प के बाद से ही भारत और चीन के रिश्तों में तनाव आ गया था। बाद में दोनों मुल्कों ने डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू की थी। फिलहाल, दोनों पक्ष तनाव कम करने की संभावनाएं जता रहे हैं। अगस्त में एससीओ की बैठक में पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात भी की थी।

इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो पाकिस्तान और चीन के मुकाबले काफी ज्यादा है। रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका भारत को निशाना बना रहा है। जबकि चीन भी रूसी तेल का बड़ा खरीददार है। साथ ही भारत ने साफ किया है कि अमेरिका और यूरोपीय संघ भी रूस से व्यापार करते हैं। खबरें है कि अमेरिका ने जी7 देशों से अपील की है कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बलूच विद्रोहियों ने फिर बनाया जाफर एक्सप्रेस को निशाना, विस्फोट के बाद कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया है। बलूचिस्तान रिपब्लिकन गार्ड्स ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया और आईईडी विस्फोट कर ट्रेन के कई डिब्बों को पटरी से उतार दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला सुल्तान कोट इलाके में किया गया, जो शिकारपुर और जैकबाबाद इलाके के बीच में स्थित है। बीआरजी ने ऐलान किया है कि बलूचिस्तान की आजादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आईईडी विस्फोट किया गया। विस्फोट इतना ताकतवर था कि उसके असर से ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने से चार यात्री घायल हुए हैं। वहीं बलूच विद्रोहियों का दावा है कि हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक यात्रा कर रहे थे और उन्हें निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं। बलूच विद्रोहियों ने दावा किया कि हमले में ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। पाकिस्तान की ट्रेन जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोही पहले भी कई बार निशाना बना चुके हैं। दरअसल इस ट्रेन से अक्सर पाकिस्तानी सैनिक पाकिस्तान पंजाब से बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा आते-जाते हैं। यही वजह है कि बलूच विद्रोही संगठनों के निशाने पर अक्सर ये ट्रेन रहती है। इस साल मार्च में जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोहियों ने हाइजैक कर लिया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई, मरने वालों में कई पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। सुरक्षा बलों ने एक अभियान चलाकर ट्रेन पर हमला करने वाले 33 आतंकवादियों को मार गिराया और 354 बंधकों को बचाया गया। दो महीने पहले भी बलूचिस्तान के मस्तुंग के दश्त इलाके में रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट में जाफर एक्सप्रेस का एक कोच नष्ट हो गया और छह अन्य पटरी से उतर गए, जिसमें 12 यात्री घायल हो गए थे। साल 2023 में भी जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया गया था। इसी तरह साल 2016 में भी बलूच विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया था। उस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी और 19 लोग घायल हो गए थे।

सत्ता परिवर्तन के बाद एक्शन जारी, केपी ओली और पूर्व गृह मंत्री की मुश्किल बढ़ी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में युवाओं के भारी आक्रोश बाद सत्ता छोड़ने को मजबूर हुए पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही है। उनके खिलाफ एक के बाद कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ऐसे में अब मंगलवार (07 अक्टूबर) को अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। साथ ही जेन-जेड प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के लिए उनकी आपराधिक जवाबदेही की मांग की है। पिछले महीने नेपाल में ओली सरकार के विरोध के युवाओं ने जनरेशन-जेड प्रोटेस्ट किया था। इस प्रदर्शन में कई लोगों की जान गई थी। ऐसे में अब काठमांडू जिला पुलिस मंडल प्रवक्ता,पुलिस अधीक्षक पवन भट्टाराई ने पुष्टि करते हुए बताया है कि यूएमएल अध्यक्ष ओली और नेपाली कांग्रेस नेता लेखक के खिलाफ काठमांडू जिला पुलिस कार्यालय, भद्रकाली में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि क्योंकि मामले की जांच के लिए एक जांच आयोग का गठन पहले ही किया जा चुका है, इसलिए पुलिस ने एफआईआर को न्यायमूर्ति गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले उच्च-स्तरीय न्यायिक जांच आयोग को भेज दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने कहा, जनरेशन-जेड के युवाओं की ओर से पुलिस में दर्ज कराई गई प्राथमिकी उनकी (ओली और लेखक की) आपराधिक जवाबदेही स्थापित करेगी और 8 व 9 सितंबर को हुए अपराध की जांच का मार्ग प्रशस्त करेगी।

बर्फीले तूफान में माउंट एवरेस्ट पर फंसे सैकड़ों पर्वतारोहियों को बचाया गया

बीजिंग , एजेंसी। माउंट एवरेस्ट के चीनी हिस्से में बीते दिनों आए एक बर्फीले तूफान में फंसे लगभग 900 पर्वतारोहियों, गाइड और अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। चीन के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। शनिवार रात इस क्षेत्र में एक भयंकर तूफान आया, जिससे माउंट एवरेस्ट पर करीब 4,900 मीटर की ऊंचाई पर तंबुओं में ठहरे पर्वतारोही फंस गए। तूफान के चलते कुल मिलाकर, 580 पैदल यात्री और 300 से ज्यादा गाइड, याक चरवाहे और अन्य कर्मचारी फंसे हुए थे। स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया गया कि लगभग 350 पर्वतारोहियों को सोमवार दोपहर और बाकी को मंगलवार तक सुरक्षित बचा लिया गया। कुछ लोग को कथित तौर पर हाइपोथर्मिया की परेशानी हुई है। हालात को देखते हुए माउंट एवरेस्ट पर फिलहाल पर्यटन को बंद कर दिया गया है।

मुनीर को सीधी चुनौती? भारत में शांति का पैगाम लेकर आना चाहते हैं पाक के मौलाना फजलुर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की प्रमुख धार्मिक व राजनीतिक पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के सरगना मौलाना फजलुर रहमान भारत की यात्रा पर आने की इच्छा जता रहे हैं। उनका उद्देश्य भारत को शांति का पैगाम पहुंचाना है। यह खुलासा पार्टी के करीबी सहयोगी और सांसद कमरान मुरतजा ने पाकिस्तानी चैनल आज न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में किया। पाकिस्तानी सांसद कमरान मुरतजा ने बताया कि मौलाना फजलुर रहमान ने हाल ही में एक भारतीय राजनयिक को व्यक्तिगत रूप से शांति का संदेश सौंपा था। उन्होंने कहा, मौलाना साहब भारत जाना चाहते हैं ताकि दोनों देशों के बीच शांति की अपील की जा सके। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का एक कदम होगी। मुरतजा ने यह भी कहा कि मौलाना रहमान ने 2002 और 2003 में भी भारत का दौरा किया था, जब दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण थे। उस समय उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से मुलाकात की थी और शांति प्रक्रिया का समर्थन किया था। बता दें कि मौलाना फजलुर रहमान प्रमुख इस्लामी विद्वान और पाकिस्तान की संसद में विपक्ष के पूर्व नेता हैं। आंतरिक दरारों के बीच नई पहल न्यूज18 ने शीर्ष खुफिया सूत्रों के हवाले से लिखा है कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया जब पाकिस्तान की राजनीतिक और सैन्य व्यवस्था में

आंतरिक दरारें गहराती जा रही हैं-खासकर पंजाबी और पश्तून वर्गों के बीच तनाव बढ़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि मौलाना का यह शांति संदेश खुद को एक क्षेत्रीय शांति दूत के रूप में पेश करने की कोशिश है, वो भी ऐसे समय में जब भारत-पाक रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हैं।

पश्तून असंतोष की आवाज : डेरा इस्माइल खान के रहने वाले मौलाना फजलुर रहमान पश्तून समुदाय से आते हैं और उन्होंने हाल के महीनों में खुद को पश्तून असंतोष की राजनीतिक आवाज के रूप में पेश किया है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह घटनाक्रम पाकिस्तान के भीतर बढ़ती जातीय असंतुष्टि से गहराई से जुड़ा है। कई पश्तून मूल के राजनेता और सेना अधिकारी जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व में खुद को हाशिये पर धकेले जाने से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं।

सेना में बढ़ता मतभेद : पाकिस्तान की सत्ता संरचना में एक शांत लेकिन गहरी दरार उभर रही है। पंजाबी प्रभुत्व वाले सेना नेतृत्व और उपेक्षित पश्तून गुटों के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं। पाकिस्तान आर्मी और आईएसआई के कुछ मध्य-स्तरीय व सेवानिवृत्त पश्तून अधिकारी मौलाना के अमन नैरेटिव को समर्थन दे रहे हैं। वे इसे जनरल मुनीर के बढ़ते प्रभाव के संतुलन के रूप में देखते हैं। मौलाना की भारत यात्रा की इच्छा कई उद्देश्यों को साधने की कोशिश हो सकती है। एक ओर यह नई दिल्ली की प्रतिक्रिया परखने का माध्यम हो सकता है, तो दूसरी ओर यह इस्लामाबाद में मौजूदा सत्ता समीकरणों को चुनौती देने का प्रतीक भी होगी। मौलाना की पहल को सेना की कठोर नीति के विपरीत जनकेंद्रित और नरम दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है। सीनेटर कमरान मुर्तजा ने बताया कि मौलाना पहले भी भारत आ चुके हैं- 2002 और 2003 में, जब दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण थे। उन दौरों के दौरान उन्होंने बाल ठाकरे समेत एनडीए सरकार के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी, और संवाद की दिशा में पहल की थी। खुफिया सूत्रों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान से जुड़े कई अधिकारी भारत के प्रति बढ़ते आक्रामक रुख का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि बढ़ती दुश्मनी सीमा इलाकों में अस्थिरता और गरीबी को और गहरा कर रही है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला, काफिले पर चलाई गईं गोलियां; बाल-बाल बचे

क्वीटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ पर जानलेवा हमला हुआ है। दरअसल करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला किया और पत्थर मारे। गनीमत रही कि इस हमले में राष्ट्रपति नोबोआ को चोट नहीं पहुंची और वे सुरक्षित हैं। इक्वाडोर सरकार के मंत्री इनेस मानजानो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राष्ट्रपति पर हमले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानलेवा हमले की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि कार पर गोलियां चलने का पता चला है। फिलहाल पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से बताया गया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद और जान लेने की साजिश रचने के आरोप लगेंगे। राष्ट्रपति नोबोआ पर हमला राष्ट्रीय मूल नागरिक संघ के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। यह संघ बीते दो हफ्ते से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शनकारी सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें डीजल सब्सिडी को सरकार ने घटाकर कम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से छोटे किसान और मूल नागरिक समाज के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। संघ के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान ही राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला हुआ।

चीन के 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रहा बांग्लादेश, 2.2 अरब डॉलर का करेगा सौदा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने 2.2 अरब डॉलर के सौदे में 20 चीनी जे-10सीई लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजना बनाई है। यह सौदा प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य संबंधित खर्चों को भी कवर करेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेजों के हवाले से कहा गया, बांग्लादेश 2026 और 2027 के दौरान इन लड़ाकू विमानों को प्राप्त करेगा, ताकि वायुसेना को आधुनिक बनाया जा सके और देश की वायु रक्षा को मजबूत किया जा सके। हालांकि, इस सौदे की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि भुगतान दस वित्तीय वर्षों में (यानी 2036 तक) किया जाएगा। जब रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो वित्त सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने कहा, मैं इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। उन्होंने कहा, क्या सिर्फ इसलिए कि मुझे कुछ पता है, मुझे सब कुछ बताना जरूरी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जे-10सीई चीन के जे-10सी का निर्यात संस्करण है, जो पहले ही चीनी वायुसेना में सेवा में है। पाकिस्तान ने मई में भारत के साथ चार दिन के सैन्य संघर्ष के दौरान चीनी जे-10सी विमानों का उपयोग किया था। रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य

सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने प्रत्येक विमान की कीमत 60 मिलियन डॉलर और पूरे बेड़े की कीमत 1.2 अरब डॉलर आंकी है, जबकि प्रशिक्षण, उपकरण और ढुलाई पर 820 मिलियन डॉलर खर्च होंगे। बीमा, वैट, एजेंसी कमीशन, नागरिक कार्यों और अन्य खर्चों को जोड़ने पर कुल लागत 2.20 अरब डॉलर हो जाती है। मार्च में अंतरिम सरकार के प्रमुख के कार्यालय ने कहा था कि यूनुस ने चीन की अपनी यात्रा के दौरान लड़ाकू विमानों की खरीद पर चर्चा की थी, जिस पर चीन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। रक्षा विश्लेषक मेजर जनरल एएनएम मुनिरुज्जमान ने कहा कि वायुसेना लंबे समय से नए लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजना बना रही है। लेकिन यह मामला अभी मूल्यांकन के चरण में है। उन्होंने कहा, आज दुनिया में एक नया भू-राजनीतिक विभाजन है, इसलिए किसी भी देश से विमान खरीदने से पहले भू-राजनीतिक प्रभाव का विश्लेषण करना जरूरी है।

बांग्लादेश में हिल्सा मछली को बचाने जंगी जहाज तैनात : हेलिकॉप्टर से निगरानी भी हो रही

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिल्सा मछली को अवैध रूप से पकड़ने से बचाने के लिए सेना की तैनाती की गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए 17 वॉर शिप और गश्ती हेलिकॉप्टर तैनात किए गए हैं। ये जहाज और गश्ती विमान घरेलू और विदेशी मछुआरों को गहरे समुद्र में घुसपैठ से रोकने के लिए 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। बांग्लादेशी अधिकारियों ने कहा है कि 4 से 25 अक्टूबर तक हिल्सा मछली के प्रजनन वाले इलाके में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

2200 रुपए प्रति किलो पर बिकती हिल्सा मछली : हिल्सा को बांग्लादेश में इलिश मछली भी कहा जाता है। यह बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है और इसे वहां पर 'मां' का दर्जा दिया गया है। हिल्सा प्रजनन के लिए हर साल अंडे देने के लिए समुद्र (गर्म पानी) से नदियों (ठंडे पानी) की ओर लौटती है। हिल्सा मछली पर लाखों लोग निर्भर हैं। ढाका में फिलहाल इसकी कीमत 2800 से 3000 टका (2050 से 2200 रुपए) प्रति किलोग्राम है। भारत के पश्चिम बंगाल में भी यह मछली बहुत पसंद की जाती है और महंगी कीमत पर बिकती है। भारतीय मछुआरे गंगा नदी और उसके डेल्टा के खारे पानी में मछली पकड़ते हैं, जिससे कोलकाता और पश्चिम बंगाल की जरूरतें पूरी होती हैं। लेकिन ज्यादा मछली पकड़ने से हिल्सा के प्रजनन के समय मछली का स्टॉक कम हो सकता है।

एक्सपर्ट बोले- हिल्सा को प्रजनन के लिए शांत पानी की जरूरत : पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और समुद्र के जलस्तर का बढ़ना हिल्सा मछली के स्टॉक पर असर डाल रहा है। इसके साथ ही यह डर भी है कि नौसेना के जहाज हिल्सा के प्रजनन के दौरान शांत पानी में बाधा डाल सकते हैं। वर्ल्ड फिश की परियोजना के पूर्व प्रमुख मोहम्मद अब्दुल वहाब ने कहा कि हिल्सा को प्रजनन के लिए शांत और निर्बाध पानी चाहिए और इसके लिए ड्रोन का इस्तेमाल बेहतर होगा। बांग्लादेश सरकार ने प्रजनन अवधि में मछुआरों की मदद के लिए हर मछुआरे परिवार को 25 किलोग्राम चावल दिया है, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि यह पर्याप्त नहीं है।

कैलिफोर्निया में दिवाली बनी सरकारी छुट्टी, गवर्नर गेविन न्यूसम ने रचा इतिहास

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में अब दिवाली आधिकारिक तौर पर राज्य की छुट्टियों की सूची में शामिल हो गई है। मंगलवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने असेंबली बिल 268 पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का रूप दे दिया। इस कानून के तहत अब कैलिफोर्निया के सरकारी कर्मचारी, कम्युनिटी कॉलेज, और सरकारी स्कूल दिवाली पर छुट्टी ले सकेंगे। इसके साथ ही, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को दिवाली के अर्थ और महत्व पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति भी दी गई है।

क्या है बिल एबी 268 : इस बिल में कहा गया है कि राज्य के कर्मचारी दिवाली के दिन वेतन सहित अवकाश ले सकते हैं। स्कूल और कॉलेज दिवाली के दिन बंद रह सकते हैं। शैक्षणिक संस्थान दिवाली के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। भारतीय समुदाय में खुशी की लहर इस

फैसले से कैलिफोर्निया में रह रहे करीब 10 लाख दक्षिण एशियाई मूल के लोगों, खासतौर पर भारतीय और भारतीय-अमेरिकी समुदाय में, खुशी की लहर दौड़ गई है। अजय भूटोरिया, जो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के पूर्व सलाहकार रहे हैं और सिलिकॉन वैली के प्रसिद्ध उद्यमी और समाजसेवी हैं, ने इस फैसले की सराहना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, धन्यवाद गवर्नर गेविन न्यूसम, जिन्होंने दिवाली को कैलिफोर्निया की राज्य छुट्टी बनाया। असेंबली मेंबर आश कालरा और दर्शन पटेल का भी आभार जिन्होंने इस बिल को मंजिल तक पहुंचाया, यह रोशनी, एकता और विविधता का उत्सव है।

नवाचार - संस्कृति को नई ऊंचाइयां : अजय भूटोरिया ने आगे कहा, आज कैलिफोर्निया की समावेशिता की यात्रा में एक उज्वल मील का पत्थर जुड़ा है। दिवाली आशा पर निराशा की, एकता पर विभाजन की, और ज्ञान पर अज्ञान की जीत का प्रतीक है, यह संदेश यहां रहने वाले हर दक्षिण एशियाई के दिल में गूंजता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय सिर्फ एक अवकाश नहीं, बल्कि भारतीय प्रवासियों के योगदान और उनकी विरासत का सम्मान है। सिलिकॉन वैली के टेक विशेषज्ञों से लेकर दक्षिण कैलिफोर्निया के स्वास्थ्यकर्मियों तक, भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने राज्य की अर्थव्यवस्था, नवाचार और संस्कृति को नई ऊंचाइयां दी हैं।

शुभ दीपावली - प्रगति के दीप जलते रहें : उन्होंने कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा, जैसे हम 20 अक्टूबर को दिवाली मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह कदम हमें गर्व, अपनापन और सामूहिक सौहार्द की नई रोशनी देगा।

बाइडन ने उपराष्ट्रपति रहते छिपाई थीं यूक्रेन में भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें, सीआईए की फाइलों से हुआ खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पुराने रिकॉर्ड्स से एक बड़ा खुलासा हुआ है। इन फाइलों के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और उस समय के उपराष्ट्रपति जो बाइडन ने दिसंबर 2015 में यूक्रेन यात्रा के दौरान भ्रष्टाचार पर जो भाषण दिया था, उसके पीछे एक बड़ी कहानी छिपाई गई थी। यूक्रेन के अधिकारियों ने उस समय अमेरिकी रुख को दोहरा मापदंड बताया था, लेकिन यह नाराजगी अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट से हटा दी गई थी। यह जानकारी हाल ही में उजागर की गई सीआईए की फाइलों से सामने आई है। दिसंबर 2015 में जो बाइडन ने यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा किया था, वहां उन्होंने यूक्रेनी संसद में भाषण देकर कहा था कि भ्रष्टाचार कैंसर की तरह है और इसे जड़ से खत्म करना होगा। इस भाषण के बाद यूक्रेनी अधिकारी नाराज थे। उनका कहना था कि अमेरिका खुद भ्रष्टाचार पर दोहरी नीति अपना रहा है, क्योंकि उस समय बाइडन के बेटे हंटर बाइडन यूक्रेन की ऊर्जा कंपनी बुरिज्मा होल्डिंग्स में काम कर रहे थे और हर साल लगभग 1 मिलियन डॉलर का मेहनताना ले रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने निजी तौर पर कहा था कि जब अमेरिका ही इस तरह के पारिवारिक संबंधों को नजरअंदाज कर रहा है, तो उसे दूसरों को भ्रष्टाचार पर भाषण देने का कोई हक नहीं बनता। सीआईए की उजागर की गई फाइलों के अनुसार, यूक्रेन की इस नाराजगी की रिपोर्ट तैयार तो हुई थी, लेकिन इसे तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कॉलिन काह्ल के अनुरोध पर राष्ट्रपति के दैनिक खुफिया ब्रीफ (पीडीबी) में शामिल नहीं किया गया। सीआईए के एक अधिकारी की तरफ से 10 फरवरी 2016 को भेजे गए ईमेल में साफ लिखा गया- काह्ल चाहते हैं कि यह रिपोर्ट प्रसारित न की जाए। यह ईमेल उस समय राष्ट्रपति बराक ओबामा को रोजाना ब्रीफ देने वाले अधिकारी माइकल डेम्पसी ने भेजा था। डेम्पसी सीधे खुफिया प्रमुख जेम्स क्लैपर को रिपोर्ट करते थे। बता दें कि क्लैपर पर पहले से ही रूसगेट स्कैंडल में भूमिका को लेकर जांच के दायरे में हैं। राष्ट्रपति की दैनिक खुफिया रिपोर्ट में दुनिया भर की अहम राजनीतिक और सुरक्षा जानकारियां दी जाती हैं ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति समय रहते किसी भी संकट से निपटने की तैयारी कर सकें। यूक्रेन की इस नाराजगी को रिपोर्ट से हटा देना यह दिखाता है कि अमेरिकी प्रशासन ने उस समय बाइडन परिवार से जुड़े विवाद को छुपाने की कोशिश की थी। इसके अलावा, इसी दौरान अमेरिकी मीडिया में भी हंटर बाइडन के यूक्रेन से जुड़े वित्तीय लेनदेन पर सवाल उठ रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने इस अमेरिकी मीडिया कवरेज को दोहरा रवैया कहा था। इन पुरानी फाइलों को हाल ही में सीआईए के आंतरिक समीक्षा अभियान के दौरान खोजा गया। यह जांच अभियान जॉन रैटक्लिफ के निर्देश पर हुआ, जो उस समय सीआईए निदेशक थे।

रूस की तरफ से जंग लड़ रहे भारतीय-छात्र का सरेंडर: यूक्रेन ने वीडियो जारी किया; जेल से बचने के लिए सेना में शामिल हुआ था

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी मीडिया ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सेना ने एक भारतीय युवक को पकड़ा है, जो रूस की तरफ से यूक्रेन में युद्ध लड़ रहा था। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि यूक्रेनी सेना द्वारा पकड़ा गया युवक 22 साल का मजोती साहिल मोहम्मद है, जो गुजरात के मोरबी का निवासी बताया जा रहा है। अभी भारत सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और फिलहाल यूक्रेनी दावे की पुष्टि के लिए जांच की जा रही है।

पढ़ाई के लिए रूस गया था मजोती साहिल मोहम्मद : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कीव स्थित भारतीय दूतावास को भी अभी तक यूक्रेन की तरफ से कोई आधिकारिक संचार नहीं मिला है। यूक्रेनी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय युवक मजोती साहिल मोहम्मद पढ़ाई के लिए रूस गया था, लेकिन ड्रग्स संबंधी एक मामले में दोषी पाए जाने के बाद उसे रूस में सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी। यूक्रेनी सेना की 63वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने मजोती साहिल मोहम्मद की वीडियो रिकॉर्ड कर जारी की है, उसमें साहिल ने बताया कि उसे रूसी अधिकारियों की तरफ से एक ऑफर दिया गया, जिसमें कहा गया कि अगर वह एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करके रूसी सेना में सेवाएं दे तो उसकी सजा माफ हो सकती है। साहिल रूसी सेना में शामिल हो गया, लेकिन जल्द ही उसने यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार, साहिल का कहना है कि वह लड़ाई नहीं लड़ना चाहता और उसे मदद चाहिए। उसने

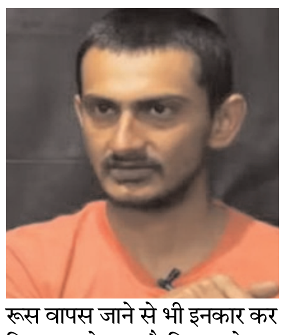

रूस वापस जाने से भी इनकार कर दिया। उसने कहा है कि या तो वह यूक्रेन में रहना चाहता है या फिर भारत वापस लौटना चाहता है। साहिल ने बताया कि उसे रूस की तरफ से सेना में सेवाएं देने के बदले 1200 से 18000 अमेरिकी डॉलर की सैलरी देने की बात भी कही गई थी, लेकिन उसे कभी कोई पैसा नहीं मिला।

माजोती ने कहा कि वह रूस वापस नहीं जाना चाहता। उसने यह भी बताया कि उसे सेना में शामिल होने का पैसा देने का वादा किया गया था, लेकिन उसे कुछ नहीं मिला। यूक्रेन ने कई विदेशी सैनिकों को रूस के लिए लड़ते पकड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस ने भारत जैसे देशों के लोगों को नौकरी या पढ़ाई का लालच देकर सेना में भर्ती किया। भारत सरकार ने पिछले महीने ही रूस से मांग की थी कि वो अपनी सेना में भारतीयों को भर्ती बंद कर दे। साथ ही यह भी कहा था कि पहले से सेना में शामिल हुए भारतीय नागरिकों को भी छोड़ दिया जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जनता को सलाह दी थी कि वे रूस की सेना में भर्ती होने के किसी भी प्रस्ताव पर ध्यान न दें क्योंकि इसमें खतरा है।

ट्रंप के गुणगान करते नजर आए कनाडा के पीएम कार्नी, भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का दिया श्रेय

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ करते हुए उन्हें भारत और पाकिस्तान समेत कई देशों के बीच शांति स्थापित करने का क्रेडिट दिया। व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के दौरान कार्नी ने कहा, आप एक परिवर्तनकारी और खास राष्ट्रपति हैं। आपने अर्थव्यवस्था में बदलाव किया, नाटो देशों से रक्षा खर्च बढ़वाया और भारत-पाकिस्तान से लेकर अजरबैजान-आर्मेनिया तक शांति बहाल की। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी इस साल दूसरी बार अमेरिका दौरे पर पहुंचे हैं। पीएम कार्नी के साथ कनाडा के व्यापार मंत्री डोमिनिक ले ब्लैंक, विदेश मंत्री अनीता आनंद और उद्योग मंत्री मेलानी जोली भी अमेरिका पहुंची हैं।

ट्रम्प बोले- कनाडा-रू का विलय हो सकता है : ओवल ऑफिस में कार्नी के साथ प्रेस से बात करते हुए ट्रम्प ने मजाक में कहा कि कनाडा और अमेरिका मर्ज हो सकते हैं। कार्नी ने इस मजाक को टाल दिया और कहा कि वह ट्रम्प की गाजा-इजराइल शांति योजना का समर्थन करते हैं और कनाडा इस में मदद करेगा। कार्नी ने ट्रम्प को शुक्रिया कहा और उन्हें स्पेशल राष्ट्रपति बताया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने ईरान को कमजोर किया।

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने का 50 से ज्यादा बार दावा कर चुके : इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को एक भाषण में दावा किया कि उनके टैरिफ की ताकत ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका। उन्होंने कहा था, अगर मेरे पास टैरिफ की ताकत नहीं होती, तो सात में से चार युद्ध चल रहे होते। भारत और पाकिस्तान में तनाव था, सात विमान मार गिराए गए थे। मेरी बात बहुत प्रभावी थी। ट्रम्प ने मई से अब तक करीब 50 बार दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता से भारत-पाक में शांति हुई। हालांकि, भारत ने

तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की बात को खारिज किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के सेनाओं के बीच सीधी बातचीत से 10 मई को युद्धविराम हुआ।

ट्रम्प बोले- कार्नी ने मुझे काफी फेमस कर दिया : ट्रम्प ने कार्नी की तारीफ की और मजाक में कहा कि कनाडाई पीएम ने उन्हें काफी मशहूर कर दिया। उन्होंने कहा कि हम दोनों का रिश्ता शुरू से अच्छा है, लेकिन कुछ छोटी-मोटी असहमतियां हैं, जिन्हें सुलझा लेंगे। ट्रम्प ने बताया कि आज की बातचीत में टैरिफ पर भी चर्चा होगी, लेकिन यह नहीं बताया कि कनाडा पर लगा टैरिफ हटाएगा या नहीं। ट्रम्प ने गाजा युद्ध का जिक्र किया और कहा कि वहां शांति हो सकती है। उनकी टीम वहां काम कर रही है और दुनिया के कई देश उनकी शांति योजना के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बड़ा हो सकता है, लेकिन तब तक अमेरिका और कनाडा कुछ व्यापारिक समझौते करेंगे।

शटडाउन पर कहा- अपने कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे : अमेरिका में जारी शटडाउन पर सवाल पूछे जाने पर ट्रम्प ने कहा कि वे अपने कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे, लेकिन कुछ लोग जो सही नहीं हैं, उनके लिए अलग व्यवस्था होगी। ट्रम्प ने कनाडा के साथ व्यापार को मुश्किल बताया, क्योंकि दोनों देशों के बीच कुछ असहमतियां हैं। फिर भी, उन्होंने कहा कि वे कनाडा और उसके लोगों से प्यार करते हैं। ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता काफी बेहतर हुआ है और वे इन असहमतियों को सुलझा लेंगे। स्टील टैरिफ पर उन्होंने कहा कि वह अपना स्टील खुद बनाना चाहते हैं, लेकिन कनाडा को भी फायदा पहुंचाना चाहते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'ममता मेरी नहीं तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा'

साली से शादी की जिद की इंकार करने पर चाकू से 13 वार किए, साली के साथ साले की भी हत्या

आरोपी का साली से प्रेम संबंध और पत्नी को तलाक की धमकी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना इलाके के में प्यार, जिद और सनक की एक खौफनाक कहानी का दर्दनाक अंत हुआ। 32 वर्षीय जीजा संदीप घनश्याम गौड़ा का अपनी साली ममता के प्रति पागलपन भरा एकतरफा प्यार इतना बढ़ गया था कि उसने डबल मर्डर जैसा जघन्य अपराध कर डाला। हत्या के बाद फरार आरोपी जीजा को उधना पुलिस ने सूचना के आधार पर उधना रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। हत्या से पहले आरोपी जीजा ने कहा था — "अगर ममता मेरी नहीं होगी तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा, उसे मार डालूंगा!"

घटना की शुरुआत साल 2021 में हुई थी, जब आरोपी संदीप गौड़ा के घर उसकी साली ममता नौकरी की तलाश में आई थी। संदीप ने उसे अपने पांडेसरा स्थित वेदांत स्टूडियो में काम पर लगा दिया। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उनके बीच शारीरिक संबंध भी बने। जब संदीप की पत्नी वर्षा को इसकी जानकारी मिली तो उसने इसका विरोध किया, लेकिन संदीप ने संबंध तोड़ने के बजाय वर्षा को तलाक देने की धमकी दी। मजबूरी में वर्षा अपने पति और बहन दोनों के साथ रहने लगी।

जब ममता की मां को इस अनैतिक रिश्ते की जानकारी हुई तो उन्होंने तुरंत ममता को गांव बुला लिया। इस बीच ममता की शादी तय हो गई और दिसंबर 2024 में होने वाली थी। उसने संदीप का नंबर ब्लॉक कर ... उससे बात करना बंद कर दिया। इसके बावजूद संदीप अपनी पत्नी वर्षा से बार-बार ममता से शादी की जिद करता था। हत्या के दिन ममता अपने मंगेतर निश्चय और मां के साथ शादी की खरीदारी के लिए सूरत आई थी।

बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे संदीप, उसकी पत्नी वर्षा, साला निश्चय, साली ममता और सास एक कमरे में बैठे थे। इस दौरान संदीप ने फिर ममता और उसके परिवार के सामने वर्षा को तलाक देकर ममता से शादी करने की बात कही। निश्चय ने इसका विरोध किया तो संदीप गुस्से में बोला — "अगर ममता मेरी नहीं होगी तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा, उसे मार डालूंगा!" इसके बाद उसने पहले से रखे चाकू से ममता पर हमला कर दिया। जब ममता ने कहा — "मैं अपनी बहन के साथ धोखा नहीं कर सकती, मेरी बहन का क्या होगा?" — तो गुस्से में भरे संदीप ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। उसने ममता पर 13 बार वार कर उसकी मौके पर ही हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आए भाई निश्चय और मां पर भी चाकू से वार किए। घर से चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने पुलिस को 112 नंबर पर सूचना दी।

डीसीपी कानन देसाई ने बताया कि पुलिस जब जालाराम नगर-2 के घर पहुंची, तो घर खून से लथपथ था। साला, साली और सास गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। तीनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान ममता और निश्चय की मौत हो गई, जबकि मां की हालत गंभीर है।

संदीप ने ममता को भेजे थे अश्लील वीडियो

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतका ममता ने संदीप द्वारा दी गई गालियों, धमकियों और हमले की पूरी घटना का ऑडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया था, जो पुलिस को सबूत के रूप में मिला है। इसके अलावा, ममता और संदीप की व्हाट्सएप चैट भी मिली है, जिसमें संदीप ने ममता को कई अश्लील वीडियो भेजे थे। फिलहाल उधना पुलिस ने आरोपी संदीप गौड़ा के खिलाफ डबल मर्डर का मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पार्षद राजेश मोरडिया के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

कुल आय की तुलना में 68.50% अधिक अवैध संपत्ति पाई गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के वार्ड नंबर-2 के पार्षद राजेशभाई राघवभाई मोरडिया के खिलाफ सूरत शहर एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) पुलिस स्टेशन द्वारा भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पार्षद मोरडिया ने 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2025 के अपने कार्यकाल के दौरान गैरकानूनी रूप से आय अर्जित की और अपनी वैध कुल आय की तुलना में 68.50' यानी 29,78,772 की अवैध संपत्ति अर्जित की। उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए जानबूझकर अवैध रूप से और आपराधिक कदाचार के जरिए यह संपत्ति बनाई, ऐसा एसीबी की जांच में सामने आया है।

बैंक खातों समेत जांच की जाएगी: एसीपी

एंटी करप्शन ब्यूरो सूरत के एसीपी आर.आर. चौधरी ने बताया कि सूरत नगर निगम के वार्ड नंबर-2 के पार्षद राजेशभाई के खिलाफ अवैध संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है। लगभग चार महीने पहले इस संबंध में लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच के बाद यह पाया गया कि राजेशभाई की वैध आय के अलावा 68.50' अधिक गैरकानूनी संपत्ति पाई गई है। उनके खिलाफ अवैध संपत्ति का मामला दर्ज कर लिया गया है और उनके घर की तलाशी ली जाएगी। बैंक खाते, बैंक लॉकर सहित सभी आर्थिक लेनदेन की जांच की जाएगी।

राजेश मोरडिया का राजनीतिक करियर विवादों से घिरा रहा है। वे मूल रूप से आम आदमी पार्टी (AAP) से पार्षद चुने गए थे, लेकिन आर्थिक अनियमितताओं के कारण AAP ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

AAP से भाजपा में शामिल होने के लिए पैसों के लेनदेन का एक ऑडियो भी वायरल हुआ था।

AAP के प्रदेश प्रवक्ता योगेश जादवाणे ने बताया कि मोरडिया पर मोटा वराछा इलाके में एक निर्माण ठेकेदार से पैसे वसूलने के आरोप में उतरण पुलिस स्टेशन में पहले से ही फिरौती का मामला दर्ज है। इसके अलावा, करीब डेढ़ साल पहले AAP से भाजपा में शामिल होने के लिए पैसों के लेनदेन से जुड़ा एक ऑडियो क्लिप वायरल हुआ था, जिसके बाद उन्हें पार्टी से निलंबित किया गया था।

वर्तमान में वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं हैं और बतौर निर्दलीय पार्षद कार्य कर रहे हैं, लेकिन 29,78,772 की अवैध संपत्ति का मामला दर्ज होने से उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किए श्याम मंदिर में दर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को सूरत के दौरे लड़की आए हुए है। इस दौरान उन्होंने वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में बाबा श्याम के दर्शन पूजा की। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हकीम द्वारा उनका स्वागत सम्मान किया। इस मौके पर श्याम मंदिर के लखदातार हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन सुशील गाड़ोदिया ने किया। इस मौके पर ट्रस्ट के कौशल खंडेलिया, प्रकाश तोदी, रामप्रकाश रुंगटा, राजेश दोदराजका, केदारनाथ अग्रवाल, कमल टाटनवाला, वसंत अग्रवाल सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।

सूरत भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के बीच हुई मारपीट मामले में शिकायत दर्ज

भाजपा कोषाध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ता दिनेश सावल्या के खिलाफ उधना पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर के उधना स्थित मुख्य भाजपा कार्यालय में अनुशासन की धज्जियां उड़ाने वाली घटना सामने आई। बुधवार को चाय-नाश्ते जैसी मामूली बात को लेकर शुरू हुई बहस ने मारपीट का रूप ले लिया। इस मामले में सूरत भाजपा के कोषाध्यक्ष शैलेश जरिवाला ने वार्ड नंबर-2 के सक्रिय कार्यकर्ता दिनेश सावल्या के खिलाफ धक्का-मुक्की और मारपीट का मामला उधना पुलिस थाने में दर्ज कराया है। जब कार्यकर्ता दिनेश सावल्या की पार्टी कार्यालय मंत्री शैलेश पटेल और चपरासी के साथ चाय-नाश्ते को लेकर कहासुनी हो गई। यह झगड़ा देख भाजपा कोषाध्यक्ष शैलेश जरिवाला ने दिनेश को समझाते हुए कहा कि झगड़ा मत करो। इस टोकाटोकी से दिनेश सावल्या भड़क गया और बोला – च्त्तुम कौन होते हो मुझे कहने वाले ?ज्ज इसके बाद उसने शैलेश जरिवाला के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी, जो बाद में हाथापाई में बदल गई। इस घटना का वीडियो वायरल होते ही पूरे राजनीतिक गलियारे में हड़कंप मच गया। अनुशासन के लिए जानी जाने वाली पार्टी के मुख्य कार्यालय में इस तरह की घटना होने से पार्टी की छवि धूमिल हुई है। भाजपा की अनुशासन समिति ने इस मामले में सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। पार्टी द्वारा दोनों कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है

आखिरकार साइबर ठग पुलिस के शिकंजे में

TRAI और पुलिस अधिकारी बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' करने वाले तीन ठग गिरफ्तार,11.42 करोड़ की ठगी का खुलासा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए गांधीनगर स्थित साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। इस टीम ने TRAI (टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया)और पुलिस अधिकारियों के नाम पर लोगों को डरा-धमकाकर डिजिटल अरेस्ट' करने के नाम पर 11.42 करोड़ की ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है।

राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में साइबर सेल ने इस पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया।

साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के एसपी राजदीपसिंह झाला ने बताया कि ये साइबर अपराधी पीड़ितों से व्हाट्सएप वीडियो कॉल या साधारण कॉल पर संपर्क करते थे और खुद को TRAI दिल्ली का कर्मचारी या पुलिस अधिकारी बताकर पहचान छिपाते थे।

इसके बाद वे पीड़ित को बताते थे कि उसके आधार कार्ड से जुड़ा मोबाइल नंबर किसी आपराधिक गतिविधि में इस्तेमाल हुआ है। साथ ही यह भी कहते थे कि उसके खिलाफ FIR दर्ज है, और CBI, ED, RBI, SEBI, RAW जैसी बड़ी एजेंसियां जांच कर रही हैं तथा इस पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश भी आया है — इस तरह पीड़ित को डराया जाता था।

ठग लोग पीड़ित को डराकर कहते थे कि वह घर से बाहर न निकले, किसी से बात न करे, नहीं तो जान को खतरा है।

वे वीडियो कॉल पर 'डिजिटल अरेस्ट' का नाटक करते थे और झूठे मामलों में आजीवन कारावास की धमकी देकर अलग-अलग बैंक खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर करवा लेते थे।

गिरफ्तार आरोपियों ने चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर बैंक खाते खुलवाए थे। इन खातों की जानकारी वे मुंबई स्थित साइबर सिंडिकेट के अन्य सदस्यों को भेजते थे, जो ठगी की रकम को इधर-उधर करते थे।

अहमदाबाद से गिरफ्तार किए गए आरोपी हैं —

कश्यप अरुणभाई बेलाणी, दिनेशभाई छगनलाल लिबाचिया, और धवलभाई महेशभाई मेवाडा। पुलिस ने इनके पास से10 मोबाइल फोन, 4 डेबिट कार्ड, 1 लैपटॉप और 3 रबर स्टैंप जब्त किए हैं।

जांच में पता चला कि आरोपियों ने 'विश्वा ग्लोबल चैरिटेबल ट्रस्ट' के नाम से जो बैंक खाते खुलवाए थे, उनका उपयोग देशभर में 11 अलग-अलग साइबर अपराधों में किया गया है। इन मामलों में महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में दर्ज शिकायतों के अनुसार 18.55 करोड़ की ठगी हुई है, जिनमें से 3.15 करोड़ इन आरोपियों के खातों में जमा हुए थे।

साइबर ठगी से बचने की अपील साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने जनता से अपील की है कि —'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई कानूनी व्यवस्था नहीं है।

TRAI, ED, CBI, RBI जैसी कोई भी सरकारी एजेंसी इस तरह की धमकी नहीं देती।

किसी भी कॉल पर डराकर बैंक जानकारी या संपत्ति का विवरण मांगा जाए तो कभी न दें।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टेलीग्राम पर "जल्दी मुनाफा" देने वाली योजनाओं पर विश्वास न करें।

* **.APK फाइलें या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू रखें। यदि आप साइबर ठगी के शिकार हुए हैं, तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या निकटतम पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट की भयावह घटना

गैस सिलेंडर में भीषण धमाका, दो फायर जवान गंभीर रूप से घायल, स्थानीय लोग भी जख्मी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुणा इलाके की विक्रम सोसाइटी में एक कमरे में गैस लीक होने के बाद आग लग गई, जिसके बाद भयानक विस्फोट हुआ।

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं।

आग बुझाने के दौरान अचानक गैस सिलेंडर में तेज धमाका (ब्लास्ट) हो गया।

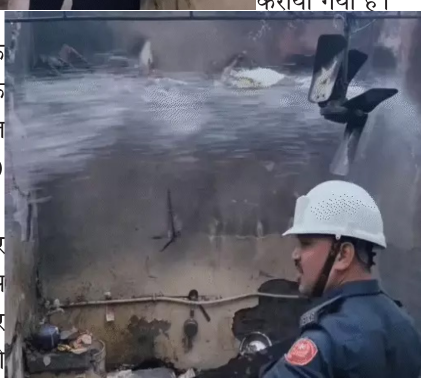

इस हादसे में फायर ब्रिगेड और पुलिस के दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, 8 अक्टूबर 2025 की सुबह, सूरत के पुणा क्षेत्र की विक्रम सोसाइटी की तीसरी मंजिल पर एक कमरे में गैस लीक होने से आग लग गई थी।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।

इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर में जोरदार विस्फोट हो गया।

धमाके की वजह से कमरे की दीवार ढह गई, और उसमें दबकर कापोदरा फायर स्टेशन के दो जवान — वासुदेव पटेल (उम्र 38 वर्ष) और नीरज पटेल (उम्र 29 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इसके अलावा कुछ स्थानीय निवासी भी घायल हुए हैं।

फायर टीम की करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया।

पुलिस कमिश्नर का स्पष्ट संदेश

नकली पुलिस से सावधान रहें — अगर कोई 'मैं पुलिस हूं' कहकर बैग चेक करने को कहे, तो बैग न दें, तुरंत 112 पर फोन करें

आपका पैसा सुरक्षित रहेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दीवाली के त्योहार के दौरान लोगों को ठगी से बचाने के लिए सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने नागरिकों से 'नकली पुलिस' गैंग से सतर्क रहने की अपील की है।

कमिश्नर ने साफ शब्दों में कहा है कि अगर कोई व्यक्ति सड़क पर खुद को पुलिसकर्मी बताकर आपका बैग चेक करने को कहे, तो उसकी बात न मानें।

दीवाली के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सूरत पुलिस भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी।

इसके बाद कमिश्नर गहलोत ने बताया कि त्योहार के समय लोग बड़ी संख्या में खरीदारी के लिए बाजारों में निकलते हैं, और इस दौरान ठग खुद को पुलिस बताकर लोगों को रोककर उनसे पैसे ऐंठने की कोशिश कर सकते हैं।

कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने जनता को सतर्क करते हुए कहा —

> "अगर कोई व्यक्ति आपको पहचान बताकर कहे कि 'मैं पुलिस में हूं' और आपका बैग चेक करने की मांग करे, तो उसे बैग न दें।

> ऐसे लोग बैग चेक करने के बहाने ... आपसे पैसे हड़प सकते हैं।

> ऐसे मामलों में तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचित करें, या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

> किसी भी संदिग्ध व्यक्ति से सावधान रहें।"

कमिश्नर ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि दीवाली के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जाएं।

हीरा बाजार, टेक्सटाइल बाजार, ज्वेलरी बाजार और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में सघन पेट्रोलिंग की जा रही है। खरीदारी वाले स्थानों पर पुरुष और महिला ... पुलिसकर्मी सादी वर्दी में तैनात रहेंगे और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखेंगे।

सी-टीम की महिला पुलिसकर्मी भी बॉडीवॉर्न कैमरे के साथ निगरानी करेंगी। इन सभी उपायों का उद्देश्य त्योहार के माहौल में लोगों की सुरक्षा और शांति बनाए रखना है।